संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 285
पृष्ठ 8
रविवार
05 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सिर्फ गोल्डन टेंपल नहीं...

विचार- महुआ मोईत्रा पर हमला चिंताजनक

खेल- क्या दूसरे टी20 मैच से डेब्यू...

नागरिक देवो भवः प्रधानमंत्री मोदी बोले-

भारत का राष्ट्रहित सर्वोपरि, अफवाह फैलाने वाले निराश

बालोतरा,एजेंसी। आज का दिन पूरे मरुधरा के लिए ऐतिहासिक रहा। यह दिन प्रदेश के लिए विकास की नई सौगातें लेकर आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने राजस्थान दौरे के दौरान जोधपुर में नए एयरपोर्ट टर्मिनल और करीब 79,459 करोड़ रुपये की लागत से विकसित पचपदरा रिफाइनरी का लोकार्पण किया। इसके साथ ही रिफाइनरी से जुड़े पेट्रोकेमिकल जोन के विकास की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है। इस रिफाइनरी से निकलने वाले उप-उत्पादों (बाय-प्रोडक्ट्स) पर आधारित प्लास्टिक उद्योग स्थापित किए जाएंगे। बता दें कि नया एयरपोर्ट टर्मिनल श्उड़ानश परियोजना के तहत लगभग 480 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इससे मारवाड़ की समृद्ध विरासत और आधुनिक बुनियादी ढांचे के इस अनूठे संगम में देश-विदेश से आने वाले यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। करीब 79,459 करोड़ रुपये की लागत से विकसित पचपदरा रिफाइनरी देश की सबसे बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं में शामिल है। इसके निर्माण के लिए 1.5 करोड़ घन मीटर मिट्टी की खुदाई की गई, जो लगभग 15 हजार ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूलों को भरने के बराबर है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह खुदाई मिस्र के गीजा पिरामिड के निर्माण में हुई खुदाई से लगभग छह गुना अधिक है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजस्थान की धरती के कण-कण ने हमें स्वाभिमान की सीख दी है। यह रिफाइनरी यहां हजारों लोगों के लिए रोजगार का माध्यम बनेगी। आज का दिन इस बात का साक्षी है कि भाजपा की सरकारें केवल परियोजनाओं का शिलान्यास करके उन्हें अधूरा नहीं छोड़तीं, बल्कि उन्हें समय पर पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करती हैं। दो माह पहले यहां हुई दुर्घटना के बावजूद इतनी जल्दी परियोजना का कार्य पूरा होना बड़ी उपलब्धि है। नया भारत अपने संकल्पों से न पीछे हटता है और न ही अपनी विकास यात्रा की रफ्तार कम करता है। आज राजस्थान विकास के कई नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जोधपुर का नया एयरपोर्ट टर्मिनल सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। यह टर्मिनल मारवाड़ के विकास को नई गति देगा। उन्होंने बताया कि आज जोधपुर से ही नई उड़ान योजना की शुरुआत की गई है, जिसके तहत दूर-दराज के छोटे-छोटे क्षेत्रों को भी हवाई सेवाओं से जोड़ा जाएगा। साथ ही शेखावाटी क्षेत्र के जल संकट के समाधान के लिए भी व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज राजस्थान के 54 हजार युवाओं को सरकारी नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए हैं।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया। लेकिन 21वीं सदी के नए भारत का संकल्प इस संकट पर भारी पड़ा। हमने हर स्तर पर सही और समयबद्ध फैसले लिए, संकट का सटीक आकलन किया और प्रभावी रणनीति तैयार की। उन्होंने कहा कि इन संवेदनशील निर्णयों का महत्व आने वाला इतिहास अवश्य दर्ज करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपनी जरूरत की लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी का आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। युद्ध और तनाव के कारण आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया था। ऐसे समय में राजस्थान की धरती से मिली संघर्ष की प्रेरणा के साथ सरकार ने देश में ही एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि सिर्फ सात दिनों में 54 हजार मीट्रिक टन अतिरिक्त एलपीजी का उत्पादन बढ़ाया गया। साथ ही एलपीजी पर अतिरिक्त दबाव कम करने के लिए बड़ी संख्या में पीएनजी कनेक्शन दिए गए।

अयोध्या चंदा विवाद पर भागवत बोले-

कुछ लोग भगवान राम में लोगों की आस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी को लेकर चल रहे विवाद के बीच, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत से इस आरोप के बारे में पूछा गया कि कुछ लोग भगवान राम में लोगों की आस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, तो उन्होंने शनिवार को इस पर संक्षिप्त लेकिन तीखी प्रतिक्रिया दी। जब नागपुर में पत्रकारों ने भागवत से उन दावों पर प्रतिक्रिया मांगी कि भगवान राम में भक्तों की आस्था को कम करने की कोशिशें की जा रही हैं, तो आरएसएस प्रमुख ने बस राम-राम कहा और आगे बढ़ गए। भागवत की यह संक्षिप्त टिप्पणी आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि राम मंदिर के चंदे में कथित हेराफेरी ने राम भक्तों और आम समाज की आस्था को गहरी चोट पहुंचाई है, और मांग की थी कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाए। शुक्रवार को एक बयान में होसाबले ने कहा कि आरएसएस कथित घटना से बेहद दुखी और क्रोधित है और मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हिंदू विरोधी और राष्ट्र विरोधी ताकतें हिंदू धर्म को बदनाम करने के लिए इस घटना का फायदा उठाने का प्रयास कर रही थीं, साथ ही उन्होंने भक्तों से धैर्य और संयम बरतने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों को बुलाने की मंजूरी दी

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संसद के दोनों सदनों के मानसून सत्र 2026 को आहूत करने की मंजूरी दे दी है। संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। किरण रिजिजू ने अपने पोस्ट में बताया कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई 2026 से शुरू होगा और 13 अगस्त 2026 तक चलेगा। उन्होंने कहा कि यह सत्र राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। सरकार की ओर से उम्मीद जताई गई है कि दोनों सदनों में जनहित और राष्ट्रीय हित से जुड़े विषयों पर व्यापक और रचनात्मक चर्चा होगी। मानसून सत्र के दौरान सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक और नीतिगत प्रस्ताव संसद में पेश कर सकती है। वहीं, विपक्ष भी महंगाई, बेरोजगारी, कृषि, आंतरिक सुरक्षा, विदेश नीति और अन्य समसामयिक मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है। ऐसे में यह सत्र राजनीतिक और विधायी दोनों दृष्टि से अहम माना जा रहा है। बता दें कि संसद के इस सत्र के दौरान विभिन्न मंत्रालयों से जुड़े विधायी कार्यों के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। सरकार और विपक्ष के बीच विभिन्न विषयों पर तीखी बहस देखने को मिल सकती है। ऐसे में राजनीतिक दलों, नीति विशेषज्ञों और आम जनता की निगाहें भी इस सत्र पर टिकी रहेंगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 16 अप्रैल से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का विशेष सत्र आयोजित किया गया था। उस दौरान महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया था, लेकिन लोकसभा में आवश्यक समर्थन नहीं मिलने के कारण वह पारित नहीं हो सका था। अब मानसून सत्र में सरकार की विधायी प्राथमिकताओं के साथ-साथ विपक्ष के रुख पर भी सभी की नजर रहेगी।

उमर खालिद और शरजील इमाम को मिलेगी जमानत,

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़ी व्यापक साजिश के मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं पर शनिवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। न्यायाधीश के शाम को आदेश सुनाने की संभावना है। खालिद और इमाम ने जमानत याचिकाओं में दलील दी कि मुकदमे की सुनवाई शुरू हुए बिना उन्हें लगातार हिरासत में रखना स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। खालिद की याचिका में यह भी कहा गया कि उच्चतम न्यायालय ने भले ही उनकी पिछली जमानत याचिका खारिज कर दी थी लेकिन उसके बाद हुए न्यायिक घटनाक्रम से परिस्थितियों में बदलाव आया है। उन्होंने मई में एक अन्य मामले में अदालत की उस टिप्पणी का उल्लेख किया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत भी जमानत नियम है। उच्चतम न्यायालय द्वारा पांच जनवरी को यूएपीए मामले में दोनों को जमानत देने से इनकार किए जाने के बाद ये नयी याचिकाएं दायर की गईं।

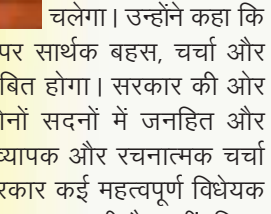

पति को निजता का अधिकार, उचित प्रतिबंध भी संभव

तलाक पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को सही ठहराया है, जिसमें तलाक के मामले में एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर (विवाह-बाह्य संबंध) के आरोपी पति के शनिजता के अधिकारश के दावे को खारिज कर दिया गया था। अदालत ने कहा कि पत्नी अपने पति पर लगे विवाह-बाह्य संबंध के आरोप को साबित करने के लिए कॉल डिटेल रिकॉर्ड और होटल बुकिंग से जुड़ी जानकारी जैसे साक्ष्य जुटाने के लिए अदालत की मदद ले सकती है। जस्टिस मनमोहन और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने अलग रह रहे पति की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने दिल्ली हाई कोर्ट के 10 मई, 2023 के आदेश को चुनौती दी थी। गुरुवार को अपील खारिज करते हुए पीठ ने कहा, दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद हमें हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं दिखती। 10 मई, 2023 को दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा था कि कानून विवाह-बाह्य संबंध को तलाक का वैध आधार मानता है। ऐसे में किसी विवाहित पुरुष पर यदि विवाह के दौरान किसी अन्य महिला के साथ यौन संबंध रखने का आरोप है, तो केवल निजता के अधिकार का हवाला देकर उसे कानूनी संरक्षण नहीं दिया जा सकता। हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का भी उल्लेख किया था, जिसमें कहा गया था कि निजता का अधिकार संविधान द्वारा संरक्षित मौलिक अधिकार है, लेकिन यह पूर्ण या असीमित अधिकार नहीं है। जनहित में इस पर उचित और वैधानिक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। हाई कोर्ट यह टिप्पणी उस व्यक्ति की याचिका खारिज करते हुए कर रहा था, जिसने फैमिली कोर्ट के 14 दिसंबर, 2022 के आदेश को चुनौती दी थी। फैमिली कोर्ट ने होटल को निर्देश दिया था कि वह पिछले वर्ष 29 अप्रैल से 1 मई के बीच एक विशेष कमरे की बुकिंग, भुगतान संबंधी जानकारी और वहां ठहरने वालों के पहचान पत्र (आईडी प्रूफ) से जुड़े दस्तावेज सुरक्षित रखे तथा उन्हें सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष प्रस्तुत करे। हाई कोर्ट ने कहा था कि यदि कोई पत्नी अपने पति के विवाह-बाह्य संबंध के आरोप को साबित करने के लिए अदालत से साक्ष्य जुटाने में सहायता मांगती है और वे साक्ष्य उसके मामले के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, तो अदालत को उसकी मदद करनी चाहिए। अदालत ने कहा कि यह फैमिली कोर्ट्स एक्ट की धारा 14 के अनुरूप है, जो परिवार न्यायालय को ऐसे साक्ष्यों पर भी विचार करने की अनुमति देती है, जो भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत सामान्य रूप से स्वीकार्य या प्रासंगिक न हों। फैमिली कोर्ट्स एक्ट की धारा 14 के अनुसार, परिवार न्यायालय किसी भी रिपोर्ट, बयान, दस्तावेज, सूचना या अन्य सामग्री को साक्ष्य के रूप में स्वीकार कर सकता है।

जयराम रमेश ने कहा-

ट्रिपल-इंजन सरकार वोट, सीट और चंदे की चोरी में लगी है

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शनिवार को कहा कि इंडिया ब्लॉक ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चिंता जताई गई है। विपक्षी दलों ने पत्र में चुनाव आयोग के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि आयोग की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण है। जयराम रमेश ने वोटों और सीटों की चोरी का आरोप लगाते हुए दावा किया कि चुनावी प्रणाली में जनता का विश्वास बुरी तरह से कम हो गया है। उन्होंने इस मुद्दे को कथित राम जन्मभूमि चंदा गबन से भी जोड़ा और इसे ट्रिपल-इंजन सरकार के तहत वोट चोरी, सीट चोरी और चंदा चोरी का मामला बताया। उन्होंने एएनआई को बताया, श्यह श्एसआईआरश प्रक्रिया और भारत निर्वाचन आयोग के पक्षपातपूर्ण कामकाज से संबंधित विशिष्ट चिंताओं को संबोधित करता है। यह आज हो रही वोटों और सीटों की चोरी और इस तथ्य से संबंधित है कि लोगों का हमारी चुनावी प्रणाली पर जो विश्वास कभी था, वह बुरी तरह से कम हो गया है। उन्होंने आगे आरोप लगाया श्लोगों का मानना है कि चुनाव परिणाम पहले से तय होते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारा संविधान और हमारी चुनावी प्रणाली खतरे में है। अगर चुनाव परिणाम पहले से ही निर्धारित हैं, तो चुनाव कराने का क्या मतलब है? उन्होंने आरोप लगाया, श्ऐसा लगता है कि ज्ञानेश कुमार पाखंड की बीमारी से ग्रस्त हैं। पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र और हरियाणा में उनका आचरण यह दर्शाता है कि चुनाव आयोग गृह मंत्री और प्रधानमंत्री के निर्देशों का पालन करता है। जयराम रमेश ने आगे कहा वैसे, अयोध्या में चंदे की चोरी भी हो रही है।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, जैश-लश्कर से जुड़े 23 लोगों को घोषित किया आतंकवादी

नयी दिल्ली केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत 23 लोगों को आतंकवादी घोषित किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 4 जुलाई 2026 को इस संबंध में गजट नोटिफिकेशन जारी किया। जारी अधिसूचना में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई पाकिस्तान आधारित व्यक्तियों के नाम शामिल हैं। सरकार के अनुसार, इन सभी पर आतंकियों की भर्ती, प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, हथियारों की आपूर्ति, घुसपैठ और आतंकी हमलों में भूमिका निभाने जैसे आरोप हैं। गृह मंत्रालय की ओर से जारी सूची में मसूद इलियास कश्मीरी का नाम शामिल है, जिसे वर्ष 2022 के सुनजवां आर्मी कैंप हमले की साजिश से जोड़ा गया है। इसके अलावा मोहम्मद मुसद्दिक पर सुनजवां हमले में घुसपैठ और आतंकी ऑपरेशन के समन्वय का आरोप लगाया गया है। वहीं मुफ्ती मोहम्मद असगर खान को वर्ष 2016 के नागरोटा आर्मी कैंप हमले से जुड़े घुसपैठ नेटवर्क का प्रमुख संचालक बताया गया है। नई सूची में हाफिज अब्दुल शकूर का नाम भी शामिल है। गृह मंत्रालय के अनुसार, उस पर वर्ष 2016 के नागरोटा हमले से पहले स्थानीय नेटवर्क के संपर्क और घुसपैठ में भूमिका निभाने के आरोप हैं। इसके अलावा अब्दुल्ला जेहादी (शाह नवाज,अल हिजामा) पर नागरोटा हमले में शामिल आतंकियों की सहायता करने और जैश-ए-मोहम्मद के कई प्रशिक्षण शिविरों के संचालन से जुड़े आरोप लगाए गए हैं।

केजरीवाल ने प्रमोद सावंत से कहा, स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने के लिए पंजाब मॉडल अपनाएं

पणजी,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी शासित गोवा की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के चरमरा जाने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को इस तटीय प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से पंजाब की 10 लाख रुपये वाली स्वास्थ्य बीमा योजना को अपनाने की अपील की। केजरीवाल ने यहां प्रेसवार्ता में कहा कि गोवा की लगभग 90 प्रतिशत आबादी सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर है, क्योंकि ज्यादातर परिवारों के लिए निजी इलाज का खर्च उठाना मुमकिन नहीं है, खासकर गंभीर बीमारी के मामले में। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दावा किया कि गोवा में दीन दयाल स्वास्थ्य सेवा योजना लोगों को फायदा पहुंचाने में नाकाम रही है, जबकि राज्य के एकमात्र सुपर-स्पेशियलिटी सरकारी अस्पताल गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बहुत ज्यादा भीड़ है। उन्होंने कहा कि अन्य सरकारी अस्पतालों में कर्मियों की कमी है, विशेषज्ञ चिकित्सकों का अभाव है, बुनियादी सुविधाओं और दवाओं की कमी है।

केजरीवाल ने कहा, गोवा का पूरा स्वास्थ्य तंत्र ठप हो गया है। 90 प्रतिशत लोगों को यह नहीं पता है कि परिवार के किसी सदस्य के गंभीर रूप से बीमार पड़ने पर वे कहां जाएं। डीडीएसएसवाई बीमा योजना तीन सदस्यों तक वाले परिवारों के लिए सालाना चार लाख रुपये और बड़े परिवारों के लिए छह लाख रुपये का कवर देती है जो नाकाफी है और अब क्रियाशील भी नहीं है। उन्होंने कहा कि बड़ी बीमारियों के इलाज का खर्च उठाने के लिए यह बीमा कवर बहुत कम है और इस योजना के तहत सिर्फ 447 बीमारियों एवं इलाज की प्रक्रियाओं को ही शामिल किया गया है। आप नेता ने कहा कि अस्पताल अक्सर डीडीएसएसवाई कार्ड स्वीकार करने से मना कर देते हैं क्योंकि सरकार से मिलने वाले पैसे में कई महीनों की देरी होती है और प्रतपूर्ति की दरों में 2016 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। पंजाब में, जहां आप की सरकार है, हर परिवार बिना किसी आय की शर्त के सालाना 10 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा का हकदार है।

कड़ी सुरक्षा के बीच तीसरे दिन शुरू हुई टीईटी की परीक्षा, डीएम ने कई केंद्रों का किया दौरा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी) 2026 शनिवार को तीसरे दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और एआई कैमरों की निगहबानी में शुरू हुई। तीसरे और अंतिम दिन टीईटी में 379316 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी) 2026 शनिवार को तीसरे दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

और एआई कैमरों की निगहबानी में शुरू हुई। तीसरे और अंतिम दिन टीईटी में 379316 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। दो पालियों में परीक्षा आयोजित की गई है। स्कूल गेट पर सघन निगरानी के बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों के भीतर प्रवेश दिया गया।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा सहित तमाम अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा कर इंतजामों का जायजा लिया। उम्मीदवारों के प्रवेश, पहचान की पुष्टि, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा, पीने के पानी और दूसरी सुविधाओं के इंतजामों का जायजा लिया गया। आयोग के दिशा–निर्देशों का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी और नकल–मुक्त तरीके से आयोजित हो यह सुनिश्चित करने के लिए सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेट को निर्देश जारी किए गए।

38 साल पुराने दुष्कर्म मामले में हाईकोर्ट ने पलटा फैसला, दोनों आरोपी बरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 38 साल पुराने दुष्कर्म मामले में दोषसिद्धि को रद्द करते हुए दोनों आरोपियों को बरी कर दिया। न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की एकलपीठ ने यह फैसला सुनाया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 38 साल पुराने दुष्कर्म मामले में दोषसिद्धि को रद्द करते हुए दोनों आरोपियों को बरी कर दिया। न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की एकलपीठ ने यह फैसला सुनाया। मामला ललितपुर के मेहरौनी थाना क्षेत्र का है, जहां 3 दिसंबर 1986 को एक गांव के कुएं से नवजात शिशु का शव मिलने के बाद अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज

हुई थी। बाद में पुलिस जांच के दौरान पीड़िता और उसकी मां के बयानों के आधार पर देव सिंह और नब्बू के खिलाफ दुष्कर्म, हत्या और साक्ष्य मिटाने के आरोप में मुकदमा चलाया गया। सत्र न्यायालय ने 13 अक्तूबर 1988 को हत्या के आरोप से बरी करते हुए दोनों को दुष्कर्म के आरोप में तीन–तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

हाईकोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए कहा कि चिकित्सकीय जांच और एक्स–रे रिपोर्ट के अनुसार घटना के समय पीड़िता की उम्र 16 से 18 वर्ष के बीच थी, जबकि ट्रायल कोर्ट ने बिना पर्याप्त साक्ष्य के उसे 15 वर्ष माना। साथ ही, एफआईआर में प्रारंभिक रूप से दुष्कर्म का आरोप नहीं था और पीड़िता के धारा 164 के बयान से संबंध सहमति से बनने की पुष्टि होती है। इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने आरोपियों को बरी कर दिया।

24 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज न होने पर बिजली चोरी का मुकदमा रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 24 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज न होने पर बिजली चोरी के मामले में पूरी आपराधिक कार्यवाही को निरस्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि विद्युत अधिनियम में निर्धारित समय–सीमा का पालन अनिवार्य है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 24 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज न होने पर बिजली चोरी के मामले में पूरी आपराधिक कार्यवाही को निरस्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि विद्युत अधिनियम में निर्धारित समय–सीमा का पालन अनिवार्य है। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने सतीश कुमार भारती उर्फ छोटू की याचिका पर दिया। याचिका में चंदौली के एंटी पावर थेफ्ट थाने में 2020 में दर्ज एफआईआर और उससे संबंधित समस्त आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी गई थी। मामले के अनुसार, 26 अक्तूबर 2020 को बिजली विभाग की टीम ने निरीक्षण के दौरान पाया कि याची बिना वैध विद्युत कनेक्शन के सीधे लाइन से बिजली का उपयोग कर रहा था। निरीक्षण की वीडियोग्राफी भी कराई गई और बिजली आपूर्ति काट दी गई। इसके बावजूद प्राथमिकी 30 अक्तूबर 2020 को दर्ज कराई गई। याची की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि विद्युत अधिनियम के अनुसार बिजली आपूर्ति काटे जाने के 24 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज कराना अनिवार्य है। जिसका पालन नहीं किया गया। कोर्ट ने बिजली विभाग को निर्देश दिया कि समय–सीमा के भीतर एफआईआर दर्ज न कराने के लिए जिम्मेदार संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार उचित कार्रवाई भी की जाए।

आरओ–एआरओ पेपर लीक मामले में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

प्रयागराज। जिला अदालत ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 के प्रश्नपत्र लीक मामले में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। जिला अदालत ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 के प्रश्नपत्र लीक मामले में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में धांधली का प्रयास योग्य अभ्यर्थियों के विश्वास को डिगाता है। यह आदेश अपर सत्र न्यायाधीश पंकज कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने दिया।

गाजीपुर के जंगीपुर क्षेत्र निवासी आलोक मिश्रा के खिलाफ आयोग के तत्कालीन सचिव ने दो मार्च 2024 को सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी।

मां के आंसुओं ने दी गवाही, मासूम के कातिल सौतेले पिता की उम्रकैद बरकरार; कोर्ट ने की टिप्पणी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मासूम के कातिल सौतेले पिता की उम्रकैद बरकरार रखा है। हाईकोर्ट ने कहा–लाल के असली कातिल को नहीं छोड़ सकती है मां, न पति को फंसा सकती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मां की गवाही पर मासूम के कातिल सौतेले पिता की उम्रकैद पर मुहर लगा दी। कोर्ट ने कहा कि भले ही सारे गवाह मुकर जाएं पर मां के आंसुओं पर संदेह नहीं किया जा सकता। दो साल बाद हुई गवाही के दौरान भी उनके आंसू नहीं थमे थे। कोई मां अपने लाल के असली कातिल को नहीं छोड़ सकती है।

इस भावुक टिप्पणी संग न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने गोरखपुर के प्रदीप उर्फ अमन चौरसिया की अपील खारिज कर दी। प्रदीप को ट्रायल कोर्ट ने 27 मई 2022 को दो साल के सौतेले बेटे की हत्या का दोषी करार देते हुए उम्रकैद और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। वह 31 अक्तूबर 2015 से जेल में है।

मामला गोरखपुर चिलुवाटल थाना क्षेत्र का है। 28 अक्तूबर 2015 को मुन्नी देवी ने अपने दूसरे पति प्रदीप के खिलाफ बेटे की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि महाराजगंज निवासी अपने पहले पति से जन्मे बेटे अभिमन्यु संग दूसरे पति प्रदीप संग किराये के मकान में रहती थी। दूसरे पति से एक बेटा पैदा हुआ। इसके बाद प्रदीप अभिमन्यु से नफरत से नफरत करने लगा। इस कारण प्रदीप ने उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने प्रदीप को गिरफ्तार कर जेल भेजा। विवेचना के बाद आरोप पत्र दाखिल किया। इस पर करीब पांच साल चले ट्रायल में नौ गवाह पेश किए गए। इनमें से पांच गवाह मुकर गए। मां की गवाही में भी कई विरोधाभास आए। इन्हें आधार बनाकर प्रदीप ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की।

अपीलार्थी की दलील

अभियोजन पक्ष के नौ गवाहों में से पांच गवाहों ने बयान बदले। वादी मां ने भी विरोधाभासी बयान दिए। चिकित्सा साक्ष्य अभियोजन की कहानी से मेल नहीं खाते। घटनास्थल का नक्शा नजरी नहीं बनाया गया था। जघन्य अपराध का कोई उद्देश्य नहीं उजागर होता है। मुन्नी देवी दूसरे पति को फंसाना चाहती हैं। ट्रायल कोर्ट ने केवल अनुमानों और अटकलों के आधार पर सजा सुनाई है।

अभियोजन के तर्क

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि दो साल के बच्चे को गला घोंटकर मारा गया था। यह क्रूरता की पराकाष्ठा है। मुकरने वाले गवाह आरोपी के रिश्तेदार ही हैं। मां के बयान पर संदेह जताना गलत है। बयानों में भिन्नता हो सकती है लेकिन वह घटना की एकमात्र चश्मदीद हैं। घटना के वक्त घर में थीं।

तस्वीर में गवाही के दौरान रोती दिखीं मां

तस्वीर में रोती दिखी मां

कोर्ट को दस्तावेज में एक तस्वीर मिली। घटना के करीब दो साल बाद 29 जून 2017 को गवाही के दौरान मां बेहद भावुक थी। उनके आंसू लगातार बह रहे थे। इस गमगीन माहौल को देखते हुए कोर्ट को मां की गवाही छह महीने से ज्यादा समय तक टालनी पड़ी थी। ट्रायल कोर्ट ने फैसले में मां के इस आचरण पर भी विचार किया था।

कोर्ट की टिप्पणी– भारतीय महिला पति को नहीं फंसा सकती

अपील खारिज कर कोर्ट ने कहा कि मां से जिरह में विरोधाभास भले हों लेकिन गवाही में ऐसा दाग नहीं है उसे संदिग्ध माना जा सके। भारतीय परंपरा व संस्कृति में कोई महिला अपने दूसरे पति को अपने ही मासूम बच्चे के कत्ल में नहीं फंसा सकती जिसके लिए उसने पहले पति को छोड़ दिया हो।

फंदे से लटका मिला युवक का शव, सपा विधायक समेत पांच लोगों पर हत्या की प्राथमिकी

प्रयागराज। हंडिया इलाके के बनपुरवा सरांयपीथा गांव में शुक्रवार सुबह एक युवक का शव उसके घर के पास स्थित बिना दरवाजे के कमरे में फंदे से लटका मिला। 22 दिन पहले 11 जून को उसके छोटे भाई का शव भी पेड़ से लटका मिला था। इलाके के बनपुरवा सरांयपीथा गांव में शुक्रवार सुबह एक युवक का शव उसके घर के पास स्थित बिना दरवाजे के कमरे में फंदे से लटका मिला। 22 दिन पहले 11 जून को उसके छोटे भाई का शव भी पेड़ से लटका मिला था। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर सपा विधायक हाकिमलाल बिंद सहित पांच लोगों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की है।

बनपुरवा सरांयपीथा निवासी सुशील कुमार गौतम (32) राजगीर था। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। बृहस्पतिवार की रात खाना खाने के बाद परिवार के लोग सोने चले गए। शुक्रवार की सुबह सुशील के शव को घर के बगल स्थित भूसा व अनाज रखने के लिए बने बिना दरवाजे वाले टिन शेड के कमरे में फंदे से लटका देख परिजनों में चीख–पुकार मच गई। पुलिस के पहुंचने पर ग्रामीण हंगामा करने लगे। शव को उतारने से मना कर दिया। उच्चाधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे।

नौ घंटे नहीं उठने दिया गया शव

कुछ देर बाद एडीएम प्रशासन व वित्त विनीता सिंह, डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत, एडीसीपी पुष्कर वर्मा, एसडीएम आकांक्षा सिंह के अलावा कई थाने की पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। सुबह करीब छह बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक लोग शव नहीं उठाने देने की जिद पर अड़े रहे। करीब नौ घंटे तक हंगामा चलता रहा। एडीएम ने दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया तब जाकर लोग शांत हुए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

एक ही तरह से दो सगे भाइयों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मां लालती देवी, सुशील की पत्नी ज्ञानवती देवी, बेटा दिव्यांश (10), शिवांग (8) व बेटी करिश्मा (4) का रो–रोकर हाल बेहाल है। सुशील के छोटे भाई संतोष कुमार का शव भी उसकी शादी के चौथे दिन बस्ती के पास ही संदिग्ध हालात में एक पेड़ से लटता मिला था। उस वक्त भी परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस की ओर से कार्रवाई न किए जाने से लोगों में बहुत नाराजगी थी।

विधायक समेत इन लोगों पर हत्या व साजिश का आरोप

मृतक के बड़े भाई सुनील कुमार ने डीएम को संबोधित एक शिकायती पत्र एडीएम प्रशासन व वित्त को देकर आरोप लगाया कि जमीन के विवाद में उनके दोनों भाइयों की हत्या की गई है। हत्या व साजिश में हंडिया विधायक हाकिम लाल बिंद, गायिका सुमित्रा नंदिनी व उसका भाई अमित गौतम निवासी सैदाबाद, सरायममरेज के सेवना गांव निवासी गौरी और उसका जीजा संजय गौतम जिम्मेदार हैं। एडीएम की ओर से एसीपी हंडिया को दिए गए निर्देश पर विधायक हंडिया सहित पांच लोगों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई है।

एसीपी हंडिया शेषधर पांडेय ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है। इधर, सपा विधायक हाकिमलाल बिंद ने कहा कि इस घटना से मेरा कोई लेनादेना नहीं है। जो आरोपी बनाए गए हैं, उन्हें भी मैं नहीं जानता। आत्महत्या के इस मामले में हत्या की प्राथमिकी कुछ लोगों ने मेरी छवि धूमिल करने के लिए दर्ज कराई है। घटनास्थल मेरे यहां से 20 किलोमीटर से अधिक दूर है। मृतक को मैं जानता भी नहीं हूं। मेरी मांग है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

एक ही तरह से दो सगे भाइयों की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों व परिजनों ने धनूपुर बाजार में हंडिया–शुकुलपुर मार्ग को बैरिकेडिंग कर जाम कर दिया। करीब दो घंटे बाद उच्चाधिकारियों की ओर से कार्रवाई का भरोसा देने पर आवागमन शुरू हुआ।

मामले में गौरी नामक युवती को हिरासत में लिया गया है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। जल्द ही अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। – कुलदीप सिंह गुनावत, डीसीपी, गंगानगर

नौवीं की छात्रा का फंदे से लटका मिला शव, मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत महरा का पूरवा, चक दाऊद नगर में नौवीं की छात्रा का संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कमरे में उसका शव फंदे से लटका मिलने से घर में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची नैनी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना क्षेत्र अंतर्गत महरा का पूरवा, चक दाऊद नगर में नौवीं की छात्रा का संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कमरे में उसका शव फंदे से लटका मिलने से घर में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची नैनी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

नैनी थाना क्षेत्र के महरा का पूरवा निवासी पायल विश्वकर्मा (15) पुत्री अरविंद विश्वकर्मा कक्षा नौ की छात्रा थी। उसके पिता क्षेत्र में साइकिल पंचर की दुकान चलाते हैं। परिजनों के अनुसार, घर पहुंचने पर उन्होंने पायल को खपरैल वाले कमरे में लोहे की रॉड से दुपट्टे के सहारे लटका देखा। यह दृश्य देखकर परिवार में चीख–पुकार मच गई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर नैनी इंस्पेक्टर ब्रिज किशोर गौतम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए तथा शव को कब्जे में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पलक दो भाई एक बहन में सबसे बड़ी थी।

जुलाई के बाद जारी हो सकता है 37,200 पदों पर शिक्षकों की भर्ती का विज्ञापन, अधियाचन मिलना शुरू

प्रयागराज। उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग जुलाई माह के बाद 37,200 पदों पर भर्ती विज्ञापन जारी कर सकता है। इसमें बेसिक, माध्यमिक और उच्च एडेड महाविद्यालयों के रिक्त पद शामिल हैं। आयोग के ई–अधियाचन पोर्टल पर रिक्तियों का अधियाचन मिलना शुरू हो गया है। उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग जुलाई माह के बाद 37,200 पदों पर भर्ती विज्ञापन जारी कर सकता है। इसमें बेसिक, माध्यमिक और उच्च एडेड महाविद्यालयों के रिक्त पद शामिल हैं। आयोग के ई–अधियाचन पोर्टल पर रिक्तियों का अधियाचन मिलना शुरू हो गया है।

उच्च शिक्षा निदेशालय ने शुक्रवार को 2107 सहायक प्रोफेसर के रिक्त पदों का अधियाचन आयोग के पोर्टल पर अपलोड कर दिया। इससे पहले 111 प्राचार्य पदों के लिए भी अधियाचन अपलोड किया जा चुका था। एडी माध्यमिक कामता राम पाल के अनुसार एडेड माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्य, सहायक अध्यापक, प्रवक्ता आदि के करीब 24 हजार पदों के लिए अधियाचन जल्द ही अपलोड होने की संभावना है। बेसिक शिक्षा परिषद के नगरीय क्षेत्र में लगभग 11 हजार पदों के लिए अधियाचन पिछले माह ऑफलाइन भेजा गया था। प्रदेश में संचालित 330 से अधिक एडेड महाविद्यालयों में 111 प्राचार्य पद रिक्त हैं। इन पदों पर चयन प्रक्रिया जुलाई के बाद शुरू होने की उम्मीद है। विज्ञापन संख्या 51 वर्ष 2022 के तहत 1017 पदों पर चयन प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उधर उच्च शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ. बीएल शर्मा के अनुसार 2107 सहायक प्रोफेसर के रिक्त पदों का अधियाचन अपलोड कर दिया गया है। इसके पहले 111 प्राचार्यों के पद का अधियाचन अपलोड किया गया था।

प्रयागराज एयरपोर्ट पर पसरा रहा सन्नाटा, नहीं हुई विमानों की आवाजाही

प्रयागराज। प्रयागराज एयरपोर्ट पर 24 मई 2020 के बाद यह पहला मौका था जब एयरपोर्ट पर एक भी विमान का संचालन नहीं किया गया। एयरपोर्ट पर सन्नाटा पसरा रहा और किसी विमान की आवाजाही नहीं हुई। प्रयागराज एयरपोर्ट पर 24 मई 2020 के बाद यह पहला मौका था जब एयरपोर्ट पर एक भी विमान का संचालन नहीं किया गया। एयरपोर्ट पर सन्नाटा पसरा रहा और किसी विमान की आवाजाही नहीं हुई। सिविल एयरपोर्ट पर एक बार फिर कोरोना काल जैसा सन्नाटा देखने को मिला। शनिवार चार जुलाई को एयरपोर्ट से एक भी विमान ने उड़ान नहीं भरी न ही किसी विमान की लैंडिंग हुई। 2232 दिन के बाद फिर वही कोरोना काल वाला दिन देखा गया। उड़ानों में लगातार हो रही कटौती के कारण अब एयरपोर्ट पर सप्ताह में सिर्फ छह दिन ही विमानों का आवागमन हो सकेगा। इससे पहले कोरोना महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में 25 मार्च से 24 मई 2020 तक उड़ानों का संचालन पूरी तरह बंद रहा था। उसके बाद से यह पहला मौका रहा जब किसी एक दिन एयरपोर्ट पूरी तरह सूना रहा।

एमपी पुलिस की दबिश से परेशान युवक ने फंदे से लटक कर दी जान, कमरे में मिला सुसाइड नोट

प्रयागराज। मध्य प्रदेश की पुलिस की दबिश से परेशान जानवी पुरम लोकपुर में एक युवक ने फंदे से गला कसकर अपनी जान दे दी। पुलिस को कमरे से सुसाइड नोट बरामद हुआ है। जिसमें पूरा वाकया लिखा हुआ है।

मध्य प्रदेश की पुलिस की दबिश से परेशान जानवी पुरम लोकपुर में एक युवक ने फंदे से गला कसकर अपनी जान दे दी। पुलिस को कमरे से सुसाइड नोट बरामद हुआ है। जिसमें पूरा वाकया लिखा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। ग्राम गाघा थाना कोरांव निवासी अंशुमान प्रताप सिंह (20) पुत्र राजेश्वरी प्रसाद सिंह उसकी दोस्ती हो गई थी। सागर (मध्य प्रदेश) जाकर वह लड़की से अक्सर मिलता था। लड़की

फिलहाल जानवीपुरम लोकपुर नैनी में रहता था। इंस्टाग्राम के माध्यम से एक किशोरी से ने अंशुमान को 15 लाख रुपया और सोने चांदी का जेवर रखने के लिए दिया था। आरोप है कि जब लड़की ने अपना पैसा और गहना मांगा तो अंशुमान ने देने से इनकार कर दिया।

इस बात की जानकारी जब लड़की के घर वालों को हुई तो बालकृष्ण पुत्र नाथूराम ने थाना खुरई जिला सागर मध्य प्रदेश में शिकायत की थी। मामले की जांच के लिए पिछले बृहस्पतिवार की रात थाना खुरई के हेड कांस्टेबल भुजबल सिंह किशोरी के परिजनों के साथ अंशुमान प्रताप सिंह के घर आए थे। पुलिस को देखकर अंशुमान छिप गया था। फिर आने की बात कहकर पुलिस लौट गई।

इससे अंशुमान भयभीत हो गया। मां श्याम कुमारी और पिता राजेश्वरी प्रसाद सिंह रात में कमरे में सोने के लिए चले गए थे। उसके बाद अंशुमान ने रात्रि में अपने कमरे में साड़ी के फंदे से झूल गया। सुबह घर वालों ने शव को लटकता देखा तो कोहराम मच गया। सूचना पर नैनी पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम पहुंची और जांच पड़ताल करने वापस आ गई। एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मौके से सुसाइड नोट मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 20.40 लाख की ठगी, दो पर एफआईआर

प्रयागराज। संविदा पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर 21 लोगों से 20.40 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर जॉर्जटाउन पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। संविदा पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर 21 लोगों से 20.40 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर जॉर्जटाउन पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। जॉर्जटाउन के जवाहर लाल नेहरू रोड निवासी अभिषेक सिन्हा ने आरोप लगाया कि शुभम श्रीवास्तव और शिवम श्रीवास्तव ने उन्हें आईटी विभाग और हाईकोर्ट में संविदा पर नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। इसके एवज में विभिन्न पदों पर नियुक्ति कराने के नाम पर रुपये ले लिए। उनके अलावा रिश्तेदारों, परिचितों और मित्रों समेत कुल 21 लोगों से ऑनलाइन, चेक और नकद के माध्यम से अलग–अलग किस्तों में 20.40 लाख रुपये लिए गए। आरोप है कि नौकरी दिलाने का आश्वासन नोटरी स्टाम्प पर भी दिया गया था लेकिन तय समय बीतने के बाद भी किसी को नौकरी नहीं मिली। रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने पांच–पांच लाख रुपये के दो चेक दिए जो बाउंस हो गए।

माध्यमिक विद्यालयों में जुलाई में कक्षाओं के साथ अन्य कार्यों के कारण रहेगी व्यस्तता

योगी सरकार शिक्षा और व्यक्तित्व विकास के लिए चलाएगी अभियान

लखनऊ,, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा को पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम बना रही है। जुलाई में प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में नियमित पठन–पाठन के साथ बोर्ड परीक्षा आवेदन प्रक्रिया, सतत मूल्यांकन, डिजिटल शिक्षा, छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य, पर्यावरण, सांस्कृतिक गतिविधियों और करियर मार्गदर्शन का व्यापक अभियान चलेगा। शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार पूरे माह संचालित होने वाली गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ उनके व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता, जीवन कौशल और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना है। शिक्षण के साथ सीखने की गुणवत्ता, तकनीकी दक्षता, अनुशासन और व्यावहारिक कौशल को समान रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।जुलाई में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस, विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान, वन महोत्सव, सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान, करियर काउंसिलिंग साइकोमेट्रिक टेस्ट जैसी गतिविधियां होंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा, सामाजिक दायित्व और भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जाएगा।जुलाई में निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार नियमित शिक्षण कार्य जारी रहेगा। कक्षा 9 से 12 तक प्रवेश संबंधी कार्य पूरे किए जाएंगे। कक्षा 10 एवं 12 के विद्यार्थियों के विवरण का मिलान कर बोर्ड परीक्षा आवेदन प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जबकि

कक्षा 11 के विद्यार्थियों का पंचम पोर्टल पर पंजीकरण कराया जाएगा। विद्यार्थियों को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए आवेदन भी कराए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक छात्र–छात्राएं इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।कक्षा 9 से 12 तक जुलाई के दूसरे सप्ताह में प्रथम यूनिट टेस्ट आयोजित किया जाएगा। इसमें मई माह के गृहकार्य का मूल्यांकन तथा अप्रैल से जुलाई के प्रथम सप्ताह तक पढ़ाए गए पाठ्यक्रम पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की सीखने की प्रगति का आकलन किया जाएगा। इसके साथ ही विद्यालयों में नियमित शैक्षणिक अनुश्रवण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को अरुणाचल प्रदेश और मेघालय की संस्कृति, लोककला और परंपराओं से परिचित कराया जाएगा। स्काउट–गाइड गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ विद्यालयों में योग, खेलकूद, प्रार्थना सभा आधारित प्रेरक कार्यक्रम तथा डिजिटल शिक्षण गतिविधियों का आयोजन होगा। निदेशक माध्यमिक शिक्षा, प्रताप सिंह बघेल ने बताया कि जुलाई का शैक्षणिक कैलेंडर विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। नियमित पढ़ाई के साथ मूल्यांकन, डिजिटल शिक्षा, छात्रवृत्ति, खेल, स्वास्थ्य, पर्यावरण, करियर मार्गदर्शन और सह–शैक्षणिक गतिविधियों को समान महत्व दिया गया है। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक विद्यालय, कैलेंडर का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करे ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और अवसर भी प्राप्त हों।

राजधानी में धूप और उमस के बाद बदला मौसम,कई इलाकों में बारिश

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में शनिवार सुबह से तेज धूप और उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया। मानसून की सक्रियता कमजोर पड़ने से गर्मी का असर बढ़ गया। हालांकि, दोपहर बाद मौसम ने करवट ली और पीजीआई, सरोजनी नगर समेत शहर के कई इलाकों में बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, 3 दिन तक भीषण गर्मी पड़ेगी। और 7 जुलाई से मानसून फिर सक्रिय होगा और शहर में झमाझम बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। आज अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री रहने का अनुमान है। शुक्रवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री रहा है। यह सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रहा है। न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 94 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 53 फीसदी दर्ज की गई। इस बीच शुक्रवार को तड़के बारिश भी हुई, लेकिन इसके बाद पूरे दिन उमस बरकरार रही। इसके कारण लोगों को परेशानी हुई। लखनऊ में 2 जुलाई को मानसून की एंट्री हुई है। इसके बाद 3 जुलाई तक रह–रह कर बारिश हुई है। इस बीच 2 जुलाई से 3 जुलाई तक 6.4 मिलीमीटर बरसात हुई। जबकि 1 जून से 3 जुलाई तक लखनऊ में कुल बरसात करीब 29 मिलीमीटर हुई है। यह सामान्य से कम बारिश है।

विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 04137/04138 ग्वालियर-बरौनी (सप्ताह में दो दिन) विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, दिन, संरचना, ठहराव एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् हैं :-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	आवृत्ति	प्रस्थान के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
04137	ग्वालियर - बरौनी	सप्ताह में दो दिन	शनिवार, मंगलवार	14.07.2026	18.07.26 से 26.09.26 तक
04138	बरौनी - ग्वालियर	सप्ताह में दो दिन	रविवार, बुधवार	15.07.2026	19.07.26 से 27.09.26 तक

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1528/26(D)

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार का निर्णय लिया गया है। यह रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, ठहराव, संरचना एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	विस्तारित अवधि की तिथि से	तक
01907	आगरा कैंट-उधना	21.07.2026	25.08.2026
01908	उधना-आगरा कैंट	22.07.2026	26.08.2026
04139	प्रयागराज-दादर	17.07.2026	28.08.2026
[illegible]	[illegible]	[illegible]	30.08.2026
[illegible]	[illegible]	[illegible]	31.08.2026
[illegible]	[illegible]	[illegible]	01.09.2026
[illegible]	[illegible]	[illegible]	27.08.2026
[illegible]	[illegible]	[illegible]	29.08.2026
[illegible]	[illegible]	[illegible]	31.08.2026
[illegible]	[illegible]	[illegible]	01.09.2026
04155	सूबेदारगंज-उधना	16.07.2026	31.08.2026
04156	उधना-सूबेदारगंज	17.07.2026	01.09.2026
04111	प्रयागराज-गांधीग्राम	18.07.2026	29.08.2026
04112	गांधीग्राम-प्रयागराज	19.07.2026	30.08.2026
04119	सूबेदारगंज-वलसाड	18.07.2026	29.08.2026
04120	वलसाड-सूबेदारगंज	19.07.2026	30.08.2026
04177	सूबेदारगंज-वलसाड	21.07.2026	25.08.2026
04178	वलसाड-सूबेदारगंज	22.07.2026	26.08.2026
01910	आगरा कैंट-असारवा	03.08.2026	31.08.2026
01909	असारवा-आगरा कैंट	04.08.2026	01.09.2026
04105	प्रयागराज-उधना	02.08.2026	30.08.2026
04106	उधना-प्रयागराज	03.08.2026	31.08.2026
04175	सूबेदारगंज-दादर	19.07.2026	30.08.2026
04176	दादर-सूबेदारगंज	21.07.2026	01.09.2026

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1514/26(A)

नई व्यवस्था लागू, लखनऊ और प्रयागराज में गठित हुई विशेष बेंच-अर्चना अग्रवाल

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार प्रदेश में राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने सार्वजनिक महत्व की भूमि से जुड़े मामलों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए बड़ा निर्णय लिया है। अब आरक्षित श्रेणी की भूमि, शासकीय भूमि, ग्राम सभा, नजूल, निष्क्रांत संपत्ति तथा शत्रु संपत्ति से संबंधित सभी वादों की सुनवाई तीन सदस्यीय विशेष पीठ श्री मेंबर बेंच द्वारा की जाएगी। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार सरकारी एवं सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने, भूमि विवादों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने तथा राजस्व न्याय प्रणाली को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने पर विशेष बल देते रहे हैं। ऐसे में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा–9 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नई व्यवस्था लागू की गयी है। इसका उद्देश्य संवेदनशील मामलों के निस्तारण में पारदर्शिता, न्यायिक गुणवत्ता और एकरूपता करना है। यह व्यवस्था तत्काल लागू कर दी गई है, जिसके तहत लखनऊ एवं प्रयागराज स्थित राजस्व परिषद न्यायालयों में इन श्रेणी के लंबित और नए वाद अब विशेष रूप से गठित तीन सदस्यीय पीठ के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। नई व्यवस्था के अनुसार आरक्षित श्रेणी की भूमि, शासकीय भूमि, ग्राम सभा, नजूल, निष्क्रांत संपत्ति तथा शत्रु संपत्ति से जुड़े मामलों की सुनवाई अब परिषद की एकल पीठ अथवा सर्किट कोर्ट द्वारा नहीं की जाएगी। इन मामलों पर विशेष रूप से गठित तीन सदस्यीय पीठ सामूहिक रूप से विचार करेगी। इससे महत्वपूर्ण मामलों में विभिन्न न्यायिक दृष्टिकोणों का समावेश होगा और निर्णय प्रक्रिया अधिक मजबूत, निष्पक्ष तथा न्यायसंगत बन सकेगी। राजस्व परिषद ने लखनऊ और प्रयागराज दोनों न्यायालयों के लिए अलग–अलग तीन सदस्यीय विशेष पीठों का गठन किया है। इन विशेष पीठों द्वारा प्रत्येक बुधवार को नियमित रूप से इन मामलों की सुनवाई की जाएगी। इससे सरकारी और सार्वजनिक भूमि से जुड़े संवेदनशील प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण संभव होगा। प्रदेश में निर्णय प्रक्रिया में एकरूपता भी स्थापित होगी। वहीं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि इस श्रेणी के सभी लंबित एवं नए वादों की पहचान कर उन्हें निर्धारित विशेष पीठ के समक्ष सूचीबद्ध कराया जाए।

इससे नई व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा और मामलों के अनावश्यक लंबित रहने की संभावना कम होगी। व्यवस्थित सूचीकरण और नियमित सुनवाई से न्यायिक प्रक्रिया अधिक सुचारु एवं परिणामकारी बनेगी। सामूहिक निर्णय प्रणाली अपनाए जाने से न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता में वृद्धि होगी। योगी सरकार पहले ही राजस्व प्रशासन में व्यापक सुधारों की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल कर चुकी है।

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उपमुख्यमंत्री ने अर्पित की श्रद्धांजलि

विवेकानंद के विचार युवाओं के लिए मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत : मौर्य

लखनऊ, संवाददाता।। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज महान संत, दार्शनिक, राष्ट्रचिंतक एवं युवा प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि स्मृति दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, आध्यात्मिक चेतना, मानव कल्याण और युवाओं के आत्मविश्वास एवं चरित्र निर्माण की प्रेरणा देने के लिए समर्पित रहा। उनके विचार आज भी करोड़ों युवाओं के लिए मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत हैं। श्री मौर्य ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत की सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और सार्वभौमिक मानवता के संदेश को विश्व में प्रतिष्ठित किया। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा था कि राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा आधार जागरूक, शिक्षित, संस्कारित, आत्मविश्वासी युवा है। आज आवश्यकता है कि प्रत्येक नागरिक, विशेष रूप से युवा वर्ग, उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार भारत के सभी महापुरुषों, संतों, समाज सुधारकों और राष्ट्रनिर्माताओं के योगदान का सम्मान कर रही है। पूर्ववर्ती सरकारों ने महापुरुषों के नाम पर राजनीति और सत्ता पाने का काम किया, माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा उचित सम्मान और स्मरण दिया जा रहा है, ताकि नई पीढ़ी उनके आदर्शों और विचारों से प्रेरणा प्राप्त कर सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए देश और देशवासी सर्वोपरि हैं। उनकी सरकार का प्रत्येक निर्णय राष्ट्रहित, जनकल्याण, गरीबों के उत्थान और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से प्रेरित है। डबल इंजन सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर कार्य करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री मौर्य ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के राष्ट्रभक्ति, सेवा, समरसता, आत्मानुशासन और मानवता के आदर्शों को अपनाकर विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी करें। उन्होंने कहा कि यही स्वामी विवेकानंद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बच्चे की मौत, मां हॉस्पिटल में छोड़कर भागी, शरीर पर मिले चोट के निशान

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के मड़ियांव थाना क्षेत्र में साढ़े चार साल के एक मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मां का कहना है कि 3 जुलाई को शाम 6 बजे वह बाथरूम में नहा रहा था। तभी पैर फिसलने से उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। परिजन उसे तत्काल डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।अस्पताल सूत्रों के अनुसार, मौत की जानकारी मिलने के बाद महिला बच्चे को अस्पताल में छोड़कर चली गई थी और सुबह वापस आई। बच्चे के शरीर पर कई चोटों के निशान मिलने से मामला संदिग्ध हो गया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कही है। मूल रूप से बीघापुर उन्नाव निवासी दिनेश कुमार मजदूरी करते हैं। उन्होंने बताया उनकी पत्नी पूनम बच्चे छोटे बेटे अहम के साथ लखनऊ में रहती हैं। शुक्रवार रात लालगंज गांव के शिव शंकर ने आकर बताया बेटे की मौत हो गई है। इस पर परिवार के साथ लखनऊ पहुंचे। दिनेश ने बताया उनकी शादी पूनम से करीब 15 साल पहले हुई थी। दोनों के तीन बेटे प्रदीप, अभिषेक और अहम हैं।

सूखे हुए गुलाब

(कुण्डलिया)

यादों की खुश्बू लिए, सूखे हुए गुलाब।
हौले–हौले ला रहे, मीठे–मीठे ख़्वाब।
मीठे–मीठे ख़्वाब, छिपे जो पंखुरियों में।
उभरे हैं वह आज,किताबों के पन्नों में।
सुन लो कहें प्रदीप, खुशनुमा तस्वीरों की।
है प्यारी तस्वीर, पड़ी धूमिल यादों की।।

जिसके सूखे फूल भी, करते हैं संवाद।
दुनिया उसे गुलाब कह, रखती हरदम याद।
रखती हरदम याद, सुनाती उसका विवरण।
जिसने इसको छुआ, नहीं करता है वह रण।
सुन लो कहें प्रदीप, मुहब्बत कहती हँसके।
है बस लाल गुलाब, बोल प्यारे हैं जिसके।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

अधिवक्ताओं में भाईचारे का संदेश देने के लिए 'मोहब्बत-ए-शरबत' का वितरण

प्रयागराज। जिला न्यायालय परिसर स्थित सेंट्रल भवन (84 खंभा) में शनिवार, 4 जुलाई 2026 को अधिवक्ताओं के बीच भाईचारे, सौहार्द और एकता का संदेश देने के उद्देश्य से श्मोहब्बत–ए–शरबतश वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन पुस्तकालय अध्यक्ष (लाइब्रेरियन) पद के प्रत्याशी एडवोकेट राशिद अली द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने भाग लिया और शरबत ग्रहण

कर आपसी प्रेम, सद्भाव एवं सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।इस अवसर पर एडवोकेट राशिद अली ने कहा कि न्यायालय परिवार की सबसे बड़ी ताकत आपसी सम्मान, भाईचारा और एकजुटता है। ऐसे सामाजिक आयोजन अधिवक्ताओं के बीच पारस्परिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करते हैं।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिवक्ताओं ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सकारात्मक और प्रेरणादायक प्रयास बताया।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व उत्साह, नितिन नवीन के स्वागत में उमड़े

लखनऊ, संवाददाता। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के लखनऊ के प्रथम आगमन पर भाजयुमो कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं युवा दिलों के धड़कन नितिन नवीन के प्रथम बार उत्तर प्रदेश की पावन धरा आगमन पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा के नेतृत्व में लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर मेट्रो स्टेशन पर हजारों की संख्या में एकत्रित ऊर्जावान युवा कार्यकर्ताओं द्वारा गगनभेदी नारों, ढोल–नगाड़ों और पुष्पवर्षा के साथ ऐतिहासिक एवं भव्य स्वागत किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

संख्याः NCR/MED/EOI/2026/02 दिनांकः 2 जुलाई 2026

चिकित्सा विभाग (EOI) हेतु अभिरुचि आमंत्रण सूचना

उत्तर मध्य रेलवे अपने अधिकार क्षेत्र में स्थित बहु-विशेषज्ञता, सुपर-विशेषज्ञता एकल-विशेषज्ञता अस्पतालों, डायग्नोस्टिक केन्द्रों, नेत्र एवं दंत चिकित्सालयों से रेलवे लाभार्थियों को उपचार/जाँच सेवाएं प्रदान करने हेतु अभिरुचि पत्र (EOI) आमंत्रित करता है। अनिवार्य शर्तें: कैशलेस उपचार, HMIS डिजिटल प्रोटोकॉल का पालन, CGHS/AIIMS दरों पर सेवाएँ, तथा रेलवे बोर्ड MoU की शर्तों का अनुपालन। प्रस्तुतिः सीलबंद EOI 21 दिनों के भीतर संबंधित CMS/MD कार्यालय में जमा करें तथा सॉफ्ट कॉपी cmd@ncr.railnet.gov.in पर ईमेल करें। विस्तृत नियम एवं आवेदन प्रारूप हेतु देखें: https://ncr.indianrailways.gov.in/

अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा निदेशक (मुख्यालय)
प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक

1525/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः 13-विद्युत/सा0/प्रयागराज/26-27 दिनांकः 02.07.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 27.07.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:

क्रम संख्याः 01 निविदा सूचना संख्याः ELG-33-2627
कार्य का नामः प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों और अधिकारियों की कॉलोनियों में लाइटिंग में सुधार।
काम की लागत (रु.में): 20703875.20 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 414100.00
कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 महीना

क्रम संख्याः 02 निविदा सूचना संख्याः ELG-34-2627
कार्य का नामः PRYJ डिवीजन के Rura (RURA) स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए पुराने FOB की जगह 6.10 मीटर चौड़ा नया FOB रैंप के साथ बनाने से जुड़ा विद्युत कार्य। CNB-TDL सेक्शन के तहत BPU (Bhaupur) में दिव्यांगजनों के लिए FOB पर रैंप बनाने से जुड़ा विद्युत कार्य। Maitha स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 की ऊंचाई को हाई लेवल तक बढ़ाने से जुड़ा विद्युत कार्य।
काम की लागत (रु.में): 9686047.27 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 193700.00
कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 महीना

क्रम संख्याः 03 निविदा सूचना संख्याः ELG-35-2627
कार्य का नामः प्रयागराज डिवीजन में टाइप V और उससे ऊपर के अधिकारियों के रेलवे क्वार्टरों में वायरिंग के साथ मॉड्यूलर स्विच, सॉकेट और बोर्ड लगाने की व्यवस्था।
काम की लागत (रु.में): 15440758.82 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 308800.00
कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 महीना

क्रम संख्याः 04 निविदा सूचना संख्याः ELG-36-2627
कार्य का नामः लोको कॉलोनी में प्रयागराज आने वाले कर्मचारियों के लिए हॉलिडे होम की व्यवस्था से जुड़ा विद्युत कार्य। प्रयागराज में ऑफिसर्स क्लब और बालाकुंठ कॉलोनी के पास हॉलिडे होम की व्यवस्था से जुड़ा विद्युत कार्य। NYN-PRYJ के बीच बुरी तरह खराब हो चुके रिले हट (RH-2) को बदलने (जिसमें इनडोर S&T इंस्टॉलेशन भी शामिल है) से जुड़ा विद्युत कार्य। सेंट्रल हॉस्पिटल की OPD बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर नए कॉन्फ्रेंस हॉल, PME रूम और वेटिंग हॉल की व्यवस्था से जुड़ा विद्युत कार्य।
काम की लागत (रु.में): 11681725.10 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 233600.00
कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 महीना

क्रम संख्याः 05 निविदा सूचना संख्याः ELG-37-2627
कार्य का नामः PRYJ डिवीजन में नए MEMU स्टेबलिंग पिट्स पर कोच में पानी भरने की सुविधा (हाइड्रेंट) देने से जुड़ा विद्युत कार्य। PRYJ डिवीजन के स्टेशनों पर कोच में पानी भरने की व्यवस्था को अपग्रेड और इंस्टॉल करने से जुड़ा विद्युत कार्य।
काम की लागत (रु.में): 8341960.34 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 166800.00
कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 महीना

क्रम संख्याः 06 निविदा सूचना संख्याः ELG-38-2627
कार्य का नामः "प्रयागराज डिवीजन के संबंध में विद्युत कार्य प्रयागराज डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर रास्तों का प्रावधान।"
काम की लागत (रु.में): 48686412.80 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 973800.00
कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 महीना

निविदा खुलने की तिथिः 27.07.2026, समय-15:00 बजे। इसे सक्षम Sr.DEE/G/PRYJ का अनुमोदन प्राप्त है। नोटः 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 1517/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

इथेनॉल का मोल

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स–फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई–85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल,ये वाहन ई–85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई–100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई–20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई–85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे–बगाहे पैदा होने वाले भू–राजनीतिक संकटों ने बार–बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स–फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं। निश्चय ही वाहनों में इथेनॉल को बढ़ावा देना देश में आयातित कच्चे तेल के दबाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। लेकिन इस बदलाव को सिरे चढ़ाने के लिए बहुत सोच–समझकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससे लोगों की आशंकाएं दूर हो सकें। जरूरत लोगों का भरोसा हासिल करने की है। भारत में इथेनॉल मिले तेल के उपयोग ने इससे होने वाले तमाम फायदों को साबित किया है। इससे काफी विदेशी मुद्रा की बचत भी हुई है। साथ ही देश में इथेनॉल का सशक्त उद्योग विकसित हुआ है। यदि बाजार में इथेनॉल पर लोगों का भरोसा बढ़ता है और इसकी मांग बढ़ती है तो इससे किसानों को कमाई के नये अवसर मिल सकते हैं। इथेनॉल की ज्यादा मांग होने पर गन्ने और मक्का का बाजार विस्तार लेगा। वहीं दूसरी ओर ई–85 की कीमत पारंपरिक पेट्रोल के मुकाबले कम रखने के फैसले से, उन उपभोक्ताओं को फायदा हो सकता है, जिनके पास इसके अनुकूल गाड़ियां है। भले ही इस फ्यूल की ईंधन दक्षता कम हो, लेकिन यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को संबल देगा। बहरहाल, इस उम्मीद के साथ ही, हमें हकीकत का भी ध्यान रखना है। दरअसल, ऑटोमोबाइल बनाने वाली कंपनियों ने इंजन की क्षमता, जंग लगने, ईंधन सिस्टम पर प्रभाव और इसकी दीर्घकालिक क्षमता को लेकर चिंताएं जतायी हैं। निस्संदेह, इन मुद्दों को सीधे खारिज करने के बजाय इन पर गंभीर रूप से मंथन करना चाहिए। अगर इन मुद्दों का निराकरण नहीं होता है तो भ्रम व संशय की स्थिति बनी रहेगी। जिसे अविलंब दूर करने की भी जरूरत है। इस वैकल्पिक ईंधन की सहज उपलब्धता के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर व गाड़ियों को इसके अनुरूप बनाना, वैकल्पिक ईंधन की गुणवत्ता के मानकों का निर्धारण तथा इससे जुड़े तकनीकी प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि बॉयोफ्यूल इतनी जल्दी फॉसिल फ्यूल का विकल्प नहीं बन सकता। इस बाबत पर्याप्त तैयारी, पारदर्शिता और सभी हितधारकों का सहयोग लेना जरूरी है। इस मामले में जल्दबाजी करने से बचा जाना चाहिए। यदि हम सजगता व सतर्कता से आगे बढ़ते हैं तो ई–85 एक सफल मॉडल बन सकता है। अन्यथा हम एक अच्छा मौका चूक सकते हैं।

महुआ मोईत्रा पर हमला चिंताजनक

प.बंगाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही विपक्ष से बदले की राजनीति का ऐसा दौर शुरु हुआ है, जो न केवल बंगाल के लोगों के लिए बल्कि पूरे देश के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस को हरा कर भाजपा ने भारी बहुमत से जीत हासिल की और सरकार बना ली। इसके बाद टीएमसी में बड़ी फूट भी डाली जा चुकी है, जिसमें करीब 60 विधायक और 20 सांसद ममता बनर्जी के खिलाफ हो गए हैं। 20 सांसदों ने तो एनसीपीआई नाम की अनजान सी पार्टी में विलय भी कर लिया। इसी तरह कई पार्षदों को भी भाजपा ने तोड़ लिया है। अपने विरोधी को पूरी तरह कुचलने के लिए उसे कमजोर करने की रणनीति यहीं तक सीमित रहती तब भी समझ आता कि भाजपा राजनीति के चलते ऐसा कर रही है। लेकिन जिस तरह ममता बनर्जी के साथ बने रहने वाले नेताओं पर हमले हो रहे हैं, वह किसी नजरिए से राजनीति नहीं है, बल्कि विशुद्ध गुंडागर्दी है। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर भीड़ ने जैसा हमला किया था, वह वीडियो सार्वजनिक है, जिसमें नजर आ रहा है कि अभिषेक बनर्जी को बाकायदा हेलमेट पहनकर खुद को चोटिल होने से बचाना पड़ा। इसके बाद कुणाल घोष पर भी अंडे फेंककर हमला हुआ। अब बना लिया और साथ ही टीएमसी का झंडा लहराकर जतला दिया कि वे ऐसे हमलों से डरने वाली नहीं हैं। गौरतलब है कि बुधवार 1 जुलाई को निशाना बनाकर अंडे और सब्जियां फेंक रहे हैं। मैंने डीजीपी से भी बात की है। पुलिस काफी देर के बाद मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस ने हमला

टीएमसी की महिला सांसद महुआ मोईत्रा भाजपा के निशाने पर आई हैं। महुआ मोइत्रा बुधवार को नादिया में टीएमसी ममता बनर्जी गुट के कार्यकर्ताओं की मीटिंग में शामिल होने गईं थी। तभी पार्टी ऑफिस पर प्रदर्शनकारियों ने अंडों और टमाटर की बौछार कर दी। इस हमले के दौरान महुआ मोईत्रा ने इसका वीडियो ही दोपहर करीब साढ़े तीन बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने एक वीडियो पोस्ट शेयर किया। वीडियो में महुआ मोइत्रा पार्टी ऑफिस बिल्डिंग की खिड़की से लोगों को अंडे फेंकते हुए दिखा रही हैं। उन्होंने वीडियो पोस्ट में आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा समर्थक एक घंटे से ज्यादा समय से लगातार पार्टी ऑफिस की खिड़की को करने वाले लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं की और सिर्फ तमाशा देखती रही। घटना के बाद उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि वह डटी रहेंगी और टीएमसी का यह झंडा भी लहराता रहेगा। भाजपा किसी हालत में उन्हें चुप कराने में कामयाब नहीं हो पाएगी। बंगाल के ये हालत क्यों और कैसे बने इसके लिए अब भाजपा के शीर्ष नेताओं को जवाब देना ही होगा। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद कहा था कि बदला नहीं बदलाव की राजनीति होगी, लेकिन 4 मई को परिणाम आने के साथ ही जिस तरह पहले टीएमसी के दफ्तरों पर हमले हुए और अब नेताओं पर हमले हो रहे हैं, उसे किसी तरह सभ्य समाज और लोकतांत्रिक राजनीति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। हैरानी की बात यह है कि बंगाल भाजपा के नेता इस घटना पर शर्मिंदगी महसूस करने की जगह बेतुके बयान दे रहे हैं। जब महुआ मोइत्रा ने कहा कि हमले भाजपा की शह पर हो रहे हैं, हमला करने वाले लोगों ने भाजपा का झंडा थामा हुआ था और साथ ही उन्होंने उन 16 लोगों के नाम बताए और कहा कि ये सभी उन पर हुई भीड़ की हिंसा के पीछे थे। इस पर बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने पलटवार करते हुए कहा कि यह टीएमसी की अंदरुनी लड़ाई का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पुलिस कैसे पहचान सकती है कि किसके पास जेब में अंडे हैं? इसे पकड़ने के लिए कोई मशीन नहीं है। मेटल डिटेक्टर अंडे का पता नहीं लगाते, तो क्या हम कोई नई मशीन लाएं। इससे बंगाल की छवि खराब हो रही है। वहीं पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य मंत्री शारद्वत मुखर्जी ने कहा कि उन्हें भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहिए कि सिर्फ अंडा फेंका गया है। आगे लोग उन पर क्या–क्या फेंकने वाले हैं ये देखिएगा। कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने पर उन्होंने कहा कि तो क्या उन पर फूल बरसाएं। अंडा फेंकने में क्या लॉ एंड ऑर्डर। भाजपा के मंत्री ने दावा किया कि टीएमसी नेताओं पर आम नागरिक अंडे फेंक रहे हैं। इस तरह के बयान साबित कर रहे हैं कि भाजपा को इस बात का कोई अफसोस नहीं है कि जिस राज्य ने उसे पहली बार सत्ता सौंपी है, वहां के लोग सरेआम गुंडागर्दी करने में नहीं हिचक रहे हैं निर्वाचित प्रतिनिधियों पर हमले कर रहे हैं और यहां तक कि महिला सांसद पर वार करने से नहीं झिझक रहे हैं। बंगाल की पहचान सभ्य, प्रगतिशील, अध्ययनशील, तार्किक बुद्धि संपन्न, सांस्कृतिक रूझान वाले राज्य की रही है। पहले कांग्रेस, फिर वामदल और तृणमूल कांग्रेस की सरकारें यहां रहीं। राजनैतिक लड़ाई–झगड़े भी हुए, लेकिन इस तरह की इतनी ज्यादा घटनाएं नहीं हुईं।

संभावनाओं में छिपे संकट?

सुदर्शन सोलंकी

शिवक भू–राजनीतिक अस्थिरता और कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतों ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को एक बार फिर ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इस संकट से उबरने और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए दुनिया भर में श्एथेनॉलश को एक अचूक समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। हाल ही में ब्राजील द्वारा श्एथेनॉलश से बिजली ग्रिड को संभालने का प्रयोग और भारत सरकार द्वारा देश में 100प्रतिशत श्एथेनॉलश से चलने वाले वाहनों को कानूनी मंजूरी देना इसी दिशा में उठाए गए बड़े कदम हैं। विकास की इस आपाधापी में पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों ने एक यक्ष प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या हम तेल आयात का बिल कम करने की जल्दबाजी में अपनी आने वाली पीढ़ियों का पानी, उपजाऊ भूमि और खाद्य–सुरक्षा दांव पर लगा रहे हैं? जैव–ईंधन के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसके दो मुख्य स्तंभ वैश्विक पटल पर दिखाई देते हैं। एथेनॉल–टू–पावर प्रयोग में ब्राजील ने गन्ने से निर्मित श्एथेनॉलश का उपयोग कर बिजली उत्पादन का दुनिया का पहला बड़ा प्रयोग शुरू किया है। पर्नाम्बुको स्थित सुपे–2 बिजली संयंत्र में फिनलैंड की श्वार्टसिलाश तकनीक के साथ एक विशेष इंजन लगाया गया है, जो सीधे श्राष्ट्रीय बिजली ग्रिडश को ऊर्जा देता है। इस तकनीक की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सौर और पवन ऊर्जा की मौसमी अनिश्चितताओं (जैसे धूप न होना या हवा न चलना) को दूर कर, मांग के अनुसार श्ऑन–डिमांडश बिजली की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित कर सकती है। भारत ने जहां एक ओर 2025–26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत श्एथेनॉलश मिश्रण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, वहीं दूसरी ओर देश में 100प्रतिशत शुद्ध एथेनॉल पर चलने वाले वाहनों को भी हरी झंडी दे दी है। मारुति सुजुकी ने फ्लेक्स–फ्यूल कारें और टू–व्हीलर सेगमेंट में अग्रणी कंपनियों ने अपनी मोटरसाइकिलें बाजार में उतार दी हैं। इससे आयातित तेल पर निर्भरता कम होने और कार्बन उत्सर्जन घटने की सीधी संभावना दिखती है। इतिहास गवाह है कि जब भी किसी तात्कालिक संकट के समाधान के लिए समग्र दृष्टि के बिना जल्दबाजी में नीतियां लागू की गईं, वे कुछ समय बाद स्वयं एक बड़े संकट का कारण बन गईं। साठ और सत्तर के दशक की श्हरित क्रांतिश इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसने देश को तत्कालीन खाद्यान्न संकट से तो उबारा, लेकिन आज वही मॉडल मिट्टी की उर्वरता में गिरावट, रासायनिक प्रदूषण और पंजाब–हरियाणा जैसे राज्यों में भयावह भूजल–दोहन का कारण बन चुका है। श्एथेनॉलश नीति भी आज इसी खतरनाक मुहाने

पर खड़ी है। भारत वर्तमान में पहली पीढ़ी के एथेनॉल उत्पादन के लिए मुख्य रूप से गन्ना, चावल और जीन संवर्धित (जेनेटिकली मॉडिफाइड, जीएम) मक्का जैसी खाद्य फसलों का उपयोग कर रहा है। ये सभी फसलें अत्यधिक पानी की मांग करती हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों के हालिया विश्लेषण के मुताबिक इसके आंकड़े भयावह हैं। एक लीटर चावल आधारित श्एथेनॉलश उत्पादन के लिए लगभग 10,790 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। एक लीटर गन्ना आधारित एथेनॉल के लिए लगभग 3,630 लीटर पानी खर्च होता है और एक लीटर जीएम मक्का आधारित एथेनॉल के लिए लगभग 4,670 लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के कई क्षेत्र पहले से ही गर्मियों में गंभीर पेयजल संकट और डार्क जोन की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में ईंधन बनाने के लिए इन फसलों को बढ़ावा देना देश के जल–सुरक्षा तंत्र को पूरी तरह ध्वस्त कर सकता है। एथेनॉल नीति का सबसे गंभीर सामाजिक और आर्थिक पहलू भोजन बनाम ईंधन का द्वंद्व है। जब बाजार के आकर्षण और अधिक लाभ के कारण उपजाऊ भूमि पर खाद्यान्न के बजाय वाहनों के लिए ईंधन उगाया जाने लगेगा, तो खाद्य–सुरक्षा पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। यदि भारतीय किसान दालों और तिलहनों की खेती छोड़कर श्एथेनॉलश केंद्रित फसलों की ओर आकर्षित होते हैं, तो भविष्य में देश को भोजन और खाद्य तेलों के आयात पर निर्भर होना पड़ सकता है। ऐसे में हम पेट्रोलियम आयात का बिल तो घटा लेंगे, लेकिन भोजन आयात का बिल बढ़ा बैठेंगे, जिससे वास्तविक आत्मनिर्भरता कभी हासिल नहीं होगी। भारत के लगभग 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं, जिनके पास दो हेक्टेयर से कम भूमि है। पारंपरिक रूप से ये किसान अनाज, दालें, तिलहन, सब्जियां और पशुपालन को एकीकृत रूप में अपनाते थे, जिससे उनकी खाद्य–सुरक्षा और ग्रामीण समाज की अड़जी–पड़जी (सामूहिक श्रमदान) जैसी समृद्ध परंपराएं सुरक्षित रहती थी, लेकिन एकल खेती और व्यावसायिक नकदी फसलों के विस्तार ने किसानों को बाजार पर निर्भर कर दिया है, संकर (हाइब्रिड) बीजों और रसायनों की लागत बढ़ गई है और ग्रामीण समुदायों के आपसी संबंध कमजोर हो रहे हैं। एथेनॉल उत्पादन को खाद्य फसलों से हटाकर पूरी तरह से कृषि अपशिष्ट (जैसे पराली, डंठल) और जैविक कचरे तक सीमित किया जाना चाहिए। इससे पर्यावरण प्रदूषण (पराली जलने की समस्या) भी खत्म होगी और भोजन–पानी पर संकट भी नहीं आएगा। एथेनॉल के लिए गन्ने और चावल की बजाय ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी और रागी जैसे मोटे अनाजों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जो सूखे और कम पानी में भी उग सकते हैं। किसी भी विस्तारवादी नीति को लागू करने से पहले देश के वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों, किसानों और नागरिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। विकास का वास्तविक अर्थ केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि या आयात बिल में कटौती नहीं है। वास्तविक विकास वह है जो प्रकृति, समाज और अर्थव्यवस्था के बीच एक न्यायपूर्ण संतुलन स्थापित करे।

एथेनॉल से बिजली बनाने और 100प्रतिशत एथेनॉल गाड़ियां चलाने की वैज्ञानिक प्रगति सराहनीय है, लेकिन इसे देश की जल–सुरक्षा और खाद्य–सुरक्षा की कीमत पर नहीं भुनाया जा सकता। भारत को अपनी नीतियों में दूरदर्शिता लानी होगी, ताकि आज जो तकनीक एक वरदान और समाधान प्रतीत हो रही है, वह कल हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए अभिशाप और महासंकट न बन जाए।

(विज्ञान संबंधी विषयों के लेखक एवं ब्लॉगर हैं।)

डोनाल्ड ट्रम्प, विश्व कप और राजनीति का खेल

राजेश पांडेय

मेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम हो चुका है लेकिन विश्व कप फुटबॉल पर उसकी लंबी और गहरी छाया साफ दिखाई पड़ती है। मौजूदा विश्व कप कई मायनों में अलग है। यह पहला विश्व कप है जिसकी मेजबानी तीन देश–अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको कर रहे हैं। 48 टीमें 104 मैचों में हिस्सा ले रही हैं। कनाडा, मेक्सिको के हिस्से में 13–13 मैच आए हैं और बाकी 78 मैचों का मेजबान अमेरिका है। टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी, फ्रांस के किलियन एमबापे, नार्वे के एर्लिंग हालैंड जैसे चमकते सितारों ने अपना दबदबा दिखाया है। लेकिन दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प मैदान से बाहर अलग तरीके से अपनी ताकत दिखा रहे हैं। ट्रम्प ने ईरान से आए अतिथियों के लिए शिष्टाचार और कूटनीति के तौर–तरीकों को ताक पर रख दिया है। वे टूर्नामेंट के दौरान भी अपने इमिग्रेशन एजेंडा को जोर–शोर से लागू कर रहे हैं। राष्ट्रपति यह सब उस देश में कर रहे हैं जहां पूरी दुनिया से आकर लोग बसे हैं। शायद अमेरिका ही ऐसा एकमात्र देश हैं जहां इतनी ज्यादा नस्लों, धर्मों और संस्कृतियों के लोग मिलेंगे। वहां किसी कोने में यूरोप तो कहीं एशिया तो कहीं अफ्रीका महाद्वीप सहित दुनिया के सभी देशों के लोग मिल जाएंगे। अमेरिका को विश्व की सबसे बड़ी ताकत बनाने में उसकी बहुलता की निर्णायक भूमिका है। ट्रम्प इस पर पानी फेरने की कोशिश में जुटे हैं। 11 जून को पहले मैच की व्हिसल बजने से पहले ही विवादों की शुरुआत हो गई थी। कई टीमों के खिलाड़ियों और दर्शकों को कस्टम्स, इमिग्रेशन (आईसीई) की कड़ी सुरक्षा जांच का सामना करना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल फेडरेशन (फीफा) द्वारा चुने गए सोमालिया के रैफरी उमर ओर्टन को मियामी कस्टम्स ने रोका और वापस भेज दिया। 2025 में ओर्टन को अफ्रीका के सर्वश्रेष्ठ रैफरी का दर्जा मिला है। अमेरिकी अधिकारियों ने ओर्टन को प्रवेश न देने का अस्पष्ट कारण बताया कि अवांछनीय लोगों को प्रवेश की अनुमति नहीं है। इस अपमान की अफ्रीका में तीखी प्रतिक्रिया हुई है। इसके अलावा सेनेगल, उजबेकिस्तान के खिलाड़ियों को अकारण जांच से गुजरना पड़ा है। सबसे अधिक परेशानियां ईरान की टीम के सामने आई थी। अमेरिका से उसका टकराव कदम–कदम पर नजर आया है। इसकी शुरुआत 2025 में हो गई थी। ईरानी फुटबॉल फेडरेशन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को वीजा नहीं देने के बाद दिसंबर में ड्रा की घोषणा होने पर ईरान ने टूर्नामेंट के बहिष्कार की घोषणा कर दी थी। बाद में ईरान ने टूर्नामेंट में भाग लेने का फैसला लिया। उस वक्त अमेरिका–ईरान युद्ध शुरू नहीं हुआ था। वैसे, दोनों देशों के बीच दुश्मनी का लंबा इतिहास है। कई कारणों से ईरान में अमेरिका विरोधी भावनाओं का जोर रहा है। अमेरिका–ईरान तनातनी की जड़ में तेल संसाधनों पर कब्जा और मिडिल ईस्ट पर प्रभुत्व कायम रखने के साम्राज्यवादी इरादे भी काम करते हैं। 1900 के दशक से एंग्लो–ईरानियन तेल कंपनी के माध्यम से ब्रिटेन ने ईरान के तेल क्षेत्रों पर नियंत्रण कायम रखा था। 1953 में मोहम्मद मोसादेह के प्रधानमंत्री बनने के बाद ईरान में ब्रिटिश नियंत्रण का विरोध तेज हो गया। मोसादेह ने तेल क्षेत्रों का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इससे मिडिल ईस्ट के तेल पर बहुत ज्यादा निर्भर अमेरिका और ब्रिटेन को जबर्दस्त धक्का लगा। 1957 में अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीईए ने मोसादेह का तख्ता पलट दिया। सीआईए की मदद से शाह रजा पहलवी ईरान के शाह बन गए। राजशाही के खिलाफ 1978–79 में भीषण क्रांति की शुरुआत हो गई। लाखों लोग शाह के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। शाह को ईरान से भागकर अमेरिका में शरण लेना पड़ी थी। 1979 में धार्मिक नेता अयातुल्ला खोमैनी की अगुआई में नई सरकार बनी। कई मुद्दों पर मतभेदों के बावजूद दोनों देशों के बीच संवाद का सिलसिला चलता रहा है। इस बीच ईरान ने परमाणु तकनीक हासिल कर ली। वह एटम बम बनाने की स्थिति में पहुंच गया है। लंबी बातचीत के बाद 2013 में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय ईरान के परमाणु कार्यक्रम की गति धीमी करने के वास्ते एक समझौते पर दस्तखत हुए। हालांकि, ट्रम्प ने 2018 में अपने पहले कार्यकाल में करार को एकतरफा तौर पर रद्द कर दिया। राष्ट्रपति जार्ज बुश ने तो ईरान को आतंकवाद की धुरी घोषित कर रखा था। ट्रम्प के शासनकाल में दोनों देशों के बीच दुश्मनी बढ़ी है। 2025 में ओमान में अमेरिका–ईरान शांति वार्ता के बीच इजरायल और अमेरिका ने ईरान पर हमला बोल दिया। इस तनाव का खामियाजा ईरान की फुटबॉल टीम को अमेरिका में भुगतना पड़ रहा है। अमेरिका–ईरान के बीच शांति समझौता होने के बाद उम्मीद बढ़ी थी।

कि ईरानी टीम का रास्ता आसान होगा। लेकिन, ऐसा नहीं हो सका है। न्यूजीलैंड से 2–2 की बराबरी के बाद ईरानी टीम को उनके कार्यक्रम में बदलाव की सूचना मिली। उन्हें लॉस एंजिल्स में रात गुजारने की बजाय अमेरिका की सीमा के पास मेक्सिको के तिजुआना स्थित अपने ट्रेनिंग कैम्प में लौटने के लिए कहा गया। मैच रात 8 बजे खत्म हुआ था। मेक्सिको के लिए उनकी फ्लाइट रात 11 बजे थी। टीम के हेड कोच आमिर गेनलेनोएल की गुस्से से भरी प्रतिक्रिया आई कि समूचे वर्ल्ड कप में हमारी टीम सबसे ज्यादा शोषित और पीड़ित रही है। विश्व कप से बाहर होने के बाद ईरानी टीम के मैनेजमेंट ने उनके साथ हुए व्यवहार पर निराशा जताई है। यों भी टूर्नामेंट में ईरान की हिस्सेदारी को लेकर देश में विभाजन की स्थिति है। अमेरिका से टकराव को देखते हुए ईरान में बहुत लोग नहीं चाहते थे कि टीम विश्व कप में भाग ले। इसकी तस्वीर ईरान के मैचों में देखने मिली है। लॉस एंजिल्स में लगभग एक लाख ईरानी रहते हैं। वहां मैच के दौरान कुछ ईरानी दर्शक टीम के समर्थन में बैनर लहरा रहे थे तो कुछ लोगों ने ईरान में लोकतंत्र और मानव अधिकारों की मांग करने वाले सैकड़ों लोगों की हत्याओं पर वर्तमान सरकार का विरोध किया है। ऐसे लोग टीम को दमनकारी शासन का प्रतिनिधि मानते हैं। बहरहाल, टूर्नामेंट पर ट्रम्प का साया काफी पहले से नजर आ रहा है। इसकी शुरुआत फीफा के प्रेसिडेंट गिआनी इनफेंटिनो ने ट्रम्प की कई बार तारीफ के साथ की है। इनफेंटिनो के रुख की जमकर आलोचना हुई है। फीफा प्रमुख ने 5 दिसंबर 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प को फीफा शांति पुरस्कार से सम्मानित कर दिया। फीफा ने इससे पहले कभी किसी को ऐसा अवॉर्ड नहीं दिया था बल्कि ऐसे किसी पुरस्कार का तो अस्तित्व ही नहीं था। फीफा कार्यकारिणी के अधिकतर सदस्यों तक को पुरस्कार की भनक नहीं थी। नार्वे सहित कई देशों के फुटबॉल संघों ने पुरस्कार के लिए इनफेंटिनो पर कड़े प्रहार किए थे। आप्रवासियों के खिलाफ आईसीई के सख्त तेवर टूर्नामेंट में भी सामने आए हैं।

सफलता बदलती रहती है
अनन्या पांडे

अनन्या पांडे में एक अलग ही सहजता है। एक ऐसे उद्योग में जहां अक्सर दिखावे को व्यक्तित्व समझ लिया जाता है, अनन्या की ऑनलाइन उपस्थिति ताजगी भरी, सहज और निडर युवा लगती है। चाहे वो धूप से सराबोर छुट्टियों की तस्वीरें पोस्ट कर रही हों, पर्दे के पीछे के पलों में खिलखिला रही हों, अपने कुत्तों रायट, हनी और थम्पर के प्रति स्नेह जता रही हों या फिर पोज देने के बजाय आंख मारते हुए बेहद स्टाइलिश कपड़ों में नजर आ रही हों, उनमें एक ऐसी ताजगी भरी ऊर्जा झलकती है जो जीवन का भरपूर आनंद लेने की प्रेरणा देती है। पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने धीरे–धीरे ष्स्टार किडष् के टैग से आगे बढ़कर ग्लैमर और आम लोगों से जुड़ाव का एक अनूठा संगम बनाया है। उनमें पुराने जमाने के बॉलीवुड की चमक झलकती है, साथ ही उनकी पीढ़ी की सोशल मीडिया की कुशलता, चुलबुले कैप्शन, सहज सेल्फी और कभी–कभी बेहद मजेदार और अराजक पल भी शामिल हैं। अनन्या को जो बात सबसे ज्यादा प्यारी बनाती है, वह यह है कि वो कभी भी बनावटी नहीं लगतीं। वह किसी पार्टी की लोकप्रिय लड़की की तरह लगती है, जो त्वचा की देखभाल, खराब डेट्स और पसंदीदा खाने के बारे में बातचीत करने के लिए रुक जाती है... क्या भाई–भतीजावाद के विवाद के कारण आप पर लगातार खुद को साबित करने का दबाव महसूस होता है? इसने आपके फैसलों को कैसे प्रभावित किया है? सच कहूँ तो, मुझे कोई दबाव महसूस नहीं होता। मैं अपने काम से बहुत खुश हूँ। बेशक, हर फिल्म से मेरी खुद से बहुत उम्मीदें होती हैं। मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि दर्शक भी मेरे काम को पसंद करते हैं और हर फिल्म के साथ मुझसे और भी बेहतर की उम्मीद करते हैं। इसलिए मैं इसे दबाव से ज़्यादा प्रेरणा और प्रोत्साहन के रूप में लेती हूँ। मैं इससे नकारात्मक भावनाएँ नहीं जोड़ना चाहती। मैं हर चीज को सकारात्मक रूप से लेती हूँ। और जैसा कि आपने भाई–भतीजावाद का जिक्र किया... इस पर तो हर कोई इतनी चर्चा कर चुका है कि मुझे नहीं लगता कि मैं इस बारे में कुछ ऐसा कह सकती हूँ जिससे कोई बड़ा फर्क पड़े। मैं बस आभारी हूँ, खुद को भाग्यशाली मानती हूँ और अपने पिता की बेटी होने पर गर्व महसूस करती हूँ। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने माता–पिता दोनों को मुझ पर गर्व महसूस कराऊँगी। आपने अपने करियर की शुरुआत बहुत सारे विशेषाधिकारों और अपेक्षाओं के साथ की थी। समय के साथ इस बारे में आपकी समझ में क्या बदलाव आया है? मैं इस बारे में काफी दृढ़ थी। मैंने हमेशा यह स्वीकार किया कि मुझे विशेषाधिकार प्राप्त था।मैंने शुरुआत की थी और आज भी करता हूँ, बिल्कुल। मैं हमेशा से अभिनेता बनना चाहता था। और जब मुझे यह अवसर मिला, तो मैं इसका पूरा फायदा उठाना चाहता था और किसी को निराश नहीं करना चाहता था। मैंने इसे बस इसी नजरिए से देखा। जब आप अपनी शुरुआती फिल्मों को देखते हैं, तो अब आपको उनमें ऐसा क्या दिखाई देता है जो शायद आप तब नहीं देख पाते थे जब आप एक अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे थे? अपनी पहली फिल्म में, मैं जितना हो सके उतना सीख रहा था। मैं अभी भी सीख रहा हूँ। लेकिन अपनी पहली फिल्म (स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2, 2019) के दौरान, मुझे फिल्म निर्माण के तकनीकी पहलुओं की भी जानकारी नहीं थी। मुझे लगता था कि एक बार शॉट हो जाए और वह ओके हो जाए, तो बस बात खत्म। मुझे नहीं पता था कि कवरेज करना पड़ता है और एक ही सीन को अलग–अलग एंगल से शूट करना पड़ता है। मुझे सच में लगता था कि एक बार हो गया तो हो गया। उस समय, टाइगर (श्रोफ) और पुनीत मल्होत्रा घ्ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। इसलिए मुझे सच में लगता है कि मैं एक छात्र की तरह ही फिल्म जगत में आया था। यह विडंबना ही है कि मेरी पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 थी, क्योंकि सीखने की और हर सेट से जितना हो सके उतना आत्मसात करने की वह चाहत आज भी मुझमें बरकरार है। क्या कभी ऐसा दौर आया है जब फिल्मों के अच्छा प्रदर्शन न करने से आपको असुरक्षा महसूस हुई हो या आप आत्म–संदेह से भर गए हों? बिल्कुल। हर कोई असुरक्षित महसूस करता है। लेकिन बात यह है कि आप उस असुरक्षा से कैसे निपटते हैं। आपको उसे बेहतर करने की प्रेरणा और उत्साह में बदलना चाहिए। और हां, आत्म–संदेह भी होता है, लेकिन सामान्य मात्रा में। मुझे नहीं लगता कि यह कोई बुरी बात है क्योंकि सेट पर हर दिन मैं इस बात को लेकर घबराती हूं कि मैं कैसा प्रदर्शन करूंगी। मुझे लगता है कि यह अच्छी बात है। यह आपको सतर्क रखता है। मैं कभी भी आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहती और यह नहीं सोचना चाहती कि, ष्ठीक है, मुझे सब कुछ पता है और मैं यह काम नींद में भी कर सकती हूं।ष मैं उस घबराहट को महसूस करना चाहती हूं। यह कोई छोटी सी बात भी हो सकती है, जैसे प्रमोशन, विज्ञापन की शूटिंग या फिर किसी मैगजीन का कवर। मैं हमेशा खुद से पूछना चाहती हूंरू ष्मैं क्या अलग कर सकती हूं? मैं खुद को कैसे चुनौती दे सकती हूं? मैं अपना ऐसा पहलू कैसे दिखा सकती हूं जो लोगों ने पहले कभी नहीं देखा हो?ष आत्म–संदेह से ज़्यादा, आपको हमेशा कुछ और पाने की चाहत रखनी चाहिए। तो आज आपके लिए सफलता का क्या अर्थ है? यह आपके करियर की शुरुआत में आपकी कल्पना से कितना अलग है? सफलता बदलती रहती है। जब मैंने शुरुआत की थी, तो मैं बस खुद को बड़े पर्दे पर देखना चाहती थी। मुझे लगता था कि जब मैं खुद को वहाँ देख लूँगी, तो मेरा सपना पूरा हो जाएगा। मैंने सोचा, ष्मैंने कामयाबी हासिल कर ली है,ष और बचपन से मेरी यही ख्वाहिश थी। लेकिन जाहिर है, सपना यहीं खत्म नहीं होता, बल्कि यहीं से शुरू होता है। हासिल करने के लिए बहुत कुछ है।

शाहरुख खान का बड़ा सपना हुआ साकार, एलए में शुरू हुआ नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड

क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में नाइट राइडर्स ग्रुप ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ग्रुप ने लॉस एंजेलिस में अपने पहले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड की शुरुआत कर इतिहास रच दिया है। इसी के साथ यह दुनिया का पहला ग्लोबल क्रिकेट ब्रांड बन गया है, जिसके पास अपना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम है। इस ऐतिहासिक मैदान पर पहला मेजर लीग क्रिकेट मुकाबला लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स और वॉशिंगटन फ्रीडम के बीच खेला गया। यह सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि अमेरिका में क्रिकेट के भविष्य के लिए एक नई शुरुआत माना जा रहा है। इस पहल के जरिए नाइट राइडर्स ग्रुप ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह विश्वस्तरीय सुविधाओं के निर्माण और खेल के विकास के लिए दीर्घकालिक निवेश करने के अपने संकल्प पर लगातार आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किए गए इस स्टेडियम में खिलाड़ियों और दर्शकों, दोनों के अनुभव को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। मैदान के मुख्य स्क्वायर पर आठ पिचें बनाई गई हैं, जबकि प्लेइंग एरिया पूरी तरह आईसीसी मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। रात के मुकाबलों के लिए 120 फीट ऊंचे छह फ्लडलाइट टावर लगाए गए हैं। इस विशाल परियोजना के निर्माण के दौरान 32,000 मीट्रिक टन से अधिक मिट्टी हटाई गई, जिसके बाद यह विश्वस्तरीय क्रिकेट वेन्यू आकार ले सका। नाइट राइडर्स ग्रुप के सह–मालिक शाहरुख खान ने इस मौके को भावुक और ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि जो सपना कभी कल्पना जैसा लगता था, वह आज साकार हो गया है। उनके अनुसार दुनिया के दूसरे सबसे लोकप्रिय खेल क्रिकेट को लॉस एंजेलिस तक लाना पूरे नाइट राइडर्स परिवार के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि फेयरप्लेक्स और नाइट राइडर्स की साझेदारी केवल एक स्टेडियम बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य ऐसा केंद्र विकसित करना है जहां खेल, मनोरंजन, परिवार और समुदाय एक साथ जुड़ सकें। शाहरुख ने उम्मीद जताई कि यह मैदान आने वाले वर्षों में लॉस एंजेलिस में क्रिकेट का स्थायी घर बनेगा और नई पीढ़ी के खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सिर्फ नाइट राइडर्स की नहीं, बल्कि दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों की है। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने भी इस उपलब्धि को क्रिकेट के भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड केवल एक स्टेडियम नहीं, बल्कि खेल के विकास के प्रति समूह की सोच और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उनका कहना था कि लक्ष्य ऐसा क्रिकेटिंग हब तैयार करना था, जहां खिलाड़ी खेलना पसंद करें, दर्शक बार–बार लौटकर आएं और स्थानीय समुदाय इसे अपना घरेलू मैदान मान सके। इस ऐतिहासिक अवसर को और खास बनाने के लिए पूर्व छठ। चौंपियन मेटा वर्ल्ड पीस (पूर्व नाम रॉन आर्टेस्ट) ने मैदान पर खेले गए पहले मेजर लीग क्रिकेट मैच में सेरेमोनियल फर्स्ट बॉल फेंकी। उनकी मौजूदगी ने अमेरिकी मुख्यधारा के खेल और क्रिकेट के बीच बढ़ते रिश्ते को भी रेखांकित किया। नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड में 1 से 5 जुलाई तक मेजर लीग क्रिकेट के कई मुकाबलों की मेजबानी की जाएगी। इससे लॉस एंजेलिस को पहली बार शीर्ष स्तर के टी20 क्रिकेट मैचों की मेजबानी का अवसर मिलेगा, वहीं अमेरिका में तेजी से लोकप्रिय हो रहे क्रिकेट को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। नाइट राइडर्स ग्रुप आज दुनिया के सबसे सफल टी20 क्रिकेट ब्रांड्स में शुमार है। ग्रुप के अंतर्गत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), ट्रिनबागो नाइट राइडर्स, अबू धाबी नाइट राइडर्स और लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स जैसी चार प्रमुख फ्रेंचाइजियां शामिल हैं। अब तक यह समूह विभिन्न लीगों में कुल नौ खिताब अपने नाम कर चुका है। इसके साथ ही नाइट राइडर्स अकादमी भारत समेत दुनिया के कई देशों में युवा क्रिकेटरों को तैयार करने और उनकी प्रतिभा को निखारने का काम भी लगातार कर रही है।

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के भाई और फिल्ममेकर अरबाज खान की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान एक शख्स जबरन अरबाज खान की खड़ी कार के अंदर घुसकर बैठ गया। इसके बाद वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए उस शख्स को गाड़ी से खींचकर बाहर निकाला। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों और उस शख्स के बीच काफी धक्का–मुक्की हुई और सुरक्षाकर्मियों ने उसकी पिटाई भी कर दी। इस दौरान अरबाज भी वहां असहज दिखाई दिए। इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। दरवाजा खोलकर अंदर बैठ गया था युवक सोशल मीडिया पर सामने ये वीडियो के मुताबिक, यह घटना कोलकाता की है जहां अरबाज खान किसी इवेंट के सिलसिले में पहुंचे थे। जब अरबाज की लग्जरी कार बाहर खड़ी थी, तभी भीड़ में से एक युवक सुरक्षा घेरा तोड़कर कार के पास पहुंच गया। उसने अचानक कार का दरवाजा खोला और जबरन अंदर बैठ गया। युवक की इस हरकत से वहां अफरा–तफरी मच गई और आस–पास मौजूद लोग चिल्लाने लगे। सुरक्षाकर्मियों ने युवक को कार से खींचा, जमकर हुई बहस युवक को कार के अंदर बैठता देख अरबाज खान के निजी सुरक्षाकर्मी और वहां तैनात बाउंसर्स तुरंत एक्शन में आ गए। उन्होंने तुरंत कार का गेट खोला और युवक को पकड़कर बाहर खींच लिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि काले रंग के कपड़ों में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने युवक को पकड़कर कार से दूर किया। इस दौरान वहां मौजूद भीड़ में से कुछ लोग श्इसको मारोश् चिल्लाते हुए भी सुनाई दे रहे हैं। भीड़ को हटाने के लिए बाउंसर्स ने की धक्का–मुक्की घटना के समय कार के आस–पास भारी भीड़ जमा थी, जो अपने मोबाइल से वीडियो बना रही थी।

90 के दशक में बॉलीवुड में कई ऐसे सितारे आएं जिन्होंने रातों–रात पहचान बना ली थी. इसी दौर में फरहीन प्रभाकर इंडस्ट्री की सबसे पॉपुलर नई एक्ट्रेसेस में से एक थीं. कहा जाता है कि उनके हाथ से एक ब्लॉकबस्टर फिल्म निकल गई और इसके बाद उनकी जिंदगी का रुख बदल गया. इसी बीच उनकी मुलाकात एक क्रिकेटर से हुई, जिसने उनकी पर्सनल लाइफ को नई दिशा दी. जब बॉलीवुड उन्हें अपनी अगली बड़ी स्टार के तौर पर देखने लगा था, तभी फरहीन ने अचानक फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली और लाइमलाइट से दूर हो गईं. फरहीन प्रभाकर के बारे में फरहीन प्रभाकर, जिनका असली नाम फरहीन खान है, ने साल 1992 में फिल्म श्जान तेरे नामश से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. इस फिल्म में वो रोनित रॉय के साथ नजर आई थीं और दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. फरहीन को माधुरी दीक्षित की हमशक्ल भी कहा जाता था और उन्हें उस दौर की उभरती हुई स्टार माना जाने लगा.माधुरी दीक्षित की हमशक्ल, जिसने ठुकराई शाहरुख खान की फिल्म, जानें अब कहां हैं फरहीन प्रभाकर? ठुकराई शाहरुख खान की फिल्म डेब्यू के तुरंत बाद उन्हें शाहरुख खान की हिट फिल्म श्बाजीगरश भी ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने ये रोल ठुकरा दिया. ये किरदार बाद में शिल्पा शेट्टी ने निभाया और फिल्म सुपरहिट साबित हुई. फरहीन ने इसके बजाय कमल हासन के साथ तमिल फिल्म कलैयगन से डेब्यू करने का फैसला किया। लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई. माधुरी दीक्षित की हमशक्ल, जिसने ठुकराई शाहरुख खान की फिल्म, जानें अब कहां हैं फरहीन प्रभाकर? इसके बाद फरहीन ने हिंदी और साउथ सिनेमा दोनों में काम करना जारी रखा. इस दौरान वो अक्षय कुमार के साथ सैनिक, दिल की बाजी और नजर के सामने जैसी फिल्मों में नजर आईं. इसके अलावा उनकी कुछ और चर्चित फिल्मों में अग्नि प्रेम, फौज, तहकीकात जैसी फिल्में भी शामिल हैं. करियर के इसी सफर के दौरान फरहीन की मुलाकात एक्स इंडियन क्रिकेटर मनोज प्रभाकर से हुई।

बिपाशा बसु की फैमिली टाइम की झलक वायरल, बेटी की मोआना दीवानगी ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड अभिनेत्री बिपाशा बसु ने एक बार फिर अपने परिवार के साथ बिताए खूबसूरत पलों की झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। रुथ्उश्रंउ2026 के नाम से शेयर की गई तस्वीरों में उनके घर का स्नेहभरा माहौल, परिवार के साथ बिताया गया क्वालिटी टाइम और बेटी की पसंदीदा डिज्नी फिल्म मोआना ने लोगों का खास ध्यान खींचा। फैंस इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं और उन्हें एक परफेक्ट फैमिली मोमेंट बता रहे हैं। बिपाशा बसु ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें पति करण सिंह ग्रोवर, बेटी, माता–पिता, भाई–बहन और करीबी दोस्तों के साथ बिताए गए यादगार पल नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों में परिवार के बीच प्यार, अपनापन और खुशियों से भरा माहौल साफ दिखाई देता है। पोस्ट की सबसे चर्चित तस्वीर वह रही, जिसमें घर के लिविंग रूम में टीवी पर डिज्नी की सुपरहिट एनिमेटेड फिल्म श्मोआनाश चल रही है। सामने गुलाबी रंग का प्ले टेंट और आसपास फैले बच्चों के खिलौने इस दृश्य को और भी प्यारा बना रहे हैं। यह तस्वीर हर उस परिवार की कहानी बयां करती है, जो बच्चों के साथ घर पर सुकून के पल बिताना पसंद करता है। तस्वीरों से साफ झलकता है कि बिपाशा की नन्ही बेटी मोआना की बड़ी फैन है। सोशल मीडिया पर इस झलक को देखकर फैंस ने भी खुशी जाहिर की। कई यूजर्स ने इसे क्यूटेस्ट फैमिली मोमेंट बताया, जबकि कुछ ने लिखा कि श्मोआनाश आज भी बच्चों की सबसे पसंदीदा एनिमेटेड फिल्मों में शामिल है। बिपाशा बसु की पोस्ट यह संदेश भी देती है कि व्यस्त जीवन के बीच परिवार के साथ बिताए गए छोटे–छोटे पल ही सबसे अनमोल होते हैं। उन्होंने तस्वीरों के जरिए दिखाया कि अपनों के साथ सुकून से समय बिताना किसी भी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। मोआना सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि साहस, आत्मविश्वास और अपने सपनों को पूरा करने की। प्रेरणा देने वाली कहानी है। फिल्म की नायिका चुनौतियों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचती है और बच्चों को खुद पर भरोसा रखने का संदेश देती है।

ना डाई, ना केमिकल! कॉफी में ये 2 चीजें मिलाकर लगा लें, बालों को मिलेगा नेचुरल बरगंडी टिंट

❍ बालों को नेचुरली बरगंडी टिंट देना है, तो केमिकल से भरी डाई या हेयर कलर यूज करना बंद करें। ये 3 चीजों से बना मास्क ट्राई करें, ये बालों को नेचुरली कलर और शाइन भी देगा, साथ ही हेयरफॉल कंट्रोल में भी मदद करेगा।

बालों को कलर करने का ट्रेंड आजकल बढ़ता जा रहा है। कुछ लोग सफेद बालों को हाइड करने के लिए कलर करते हैं, तो वहीं कुछ लोगों के लिए ये फैशन का एक हिस्सा है। जो भी वजह हो, लेकिन बालों पर केमिकल वाले हेयर कलर अप्लाई करना लॉन्ग टर्म में सही नहीं होता है। इन हेयर डाई में मौजूद केमिकल्स आपके बालों की हेल्थ पूरी तरह से डैमेज कर देते हैं। अब सवाल है कि क्या बालों को कलर करने का कोई नेचुरल और सेफ तरीका नहीं है? बिल्कुल है, आज एक ऐसा ही हेयर मास्क हम आपके साथ शेयर कर रहे हैं। महज तीन चीजों को मिलाकर बना ये हेयर मास्क आपके बालों को नेचुरली बरगंडी टिंट देता है, साथ ही उन्हें ज्यादा शाइनी, स्मूद, ग्लॉसी और हेल्दी बनाने में भी मदद करता है। तो आइए जानते हैं इसे बनाना कैसे है–

सिर्फ 3 चीजों से बना हेयर मास्क, बालों को देगा बरगंडी टिंट

अगर आपको अपने बालों को नेचुरली बरगंडी या रेड कलर देना है, तो ये सिंपल सा हेयर मास्क ट्राई कर सकते हैं। इसके लिए आपको महज तीन चीजों की जरूरत होगी, चुकंदर का रस, कॉफी पाउडर और हीना यानी मेहंदी पाउडर। ये हेयर मास्क आपके बालों को सिर्फ कलर ही नहीं देगा, बल्कि उन्हें ज्यादा शाइनी बनाने और हेयरफॉल कंट्रोल करने में भी हेल्प करेगा। साथ ही अगर आपके बालों की ग्रोथ कम हो रही है, तो रेगुलर इंटरवल पर आप इस मास्क को ट्राई कर सकते हैं।

इस तरह तैयार करें ये नेचुरल हेयर कलर

इस हेयर मास्क को बनाने के लिए सबसे पहले दो बड़े साइज के चुकंदर धो कर अच्छी तरह से छील लें। अब इन्हें कद्दूकस कर के स्ट्रेनर की मदद से इनका रस निकाल लें। गैस पर एक पैन चढ़ाएं और लो फ्लेम पर चुकंदर के रस को सिर्फ दो मिनट के लिए पका लें। अब इसे एक बाउल में ट्रांसफर करें और उसमें 200 ग्राम कॉफी पाउडर एड करें। इसके साथ ही दो चम्मच के करीब मेंहदी का पाउडर भी मिक्स करें। सभी चीजों को आपस में अच्छी तरह मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें। आपका नेचुरल रेड हेयर कलर बनकर रेडी है।

कैसे और कब इस्तेमाल करना है?

इस हेयर कलर को हमेशा साफ बालों पर ही अप्लाई करें। बालों में किसी तरह का ऑयल या सिरम लगा हुआ नहीं होना चाहिए, वरना रंग अच्छी तरह नहीं चढ़ पाता है। अब इस हेयर मास्क को बालों पर ठीक हेयर कलर की तरह अप्लाई कर लें। इसे यूं ही लगाकर लगभग 45 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर साफ पानी से वॉश कर लें। आप तुरंत बाद भी शैंपू कर सकते हैं, लेकिन बेस्ट रिजल्ट के लिए अगले दिन ही किसी माइल्ड शैंपू का इस्तेमाल करें। इस हेयर मास्क को आप हफ्ते में एक बार इस्तेमाल कर सकते हैं।

ध्यान रखने वाली जरूरी बात

ये हेयर कलर कोई पर्मानेंट नहीं है, लेकिन हां आपके बालों को एक अच्छी शाइन और बरगंडी टिंट जरूर देता है। इसे आप हफ्ते में एक बार इस्तेमाल कर सकते हैं। रेगुलर यूज के साथ आपके बालों में नेचुरल शाइन और टिंट आना शुरू हो जाएगा। इस मास्क की बेस्ट बात है कि ये पूरी तरह सेफ है और आपके बालों को हेल्दी रखने में भी मदद करता है।

टॉयलेट सीट में क्यों इस्तेमाल करते हैं विनेगर? सफाई के लिए बड़े काम की है ये एक ट्रिक

❍ टॉयलेट की सफाई करने के लिए सोशल मीडिया पर तरह-तरह के हैक वायरल हो रहे हैं। इन दिनों एक हैक जो सबसे ज्यादा वायरल हो रहा है वह टॉयलेट सीट में विनेगर डालने से जुड़ा है। यहां जानिए ऐसा क्यों कर रहे हैं लोग और टॉयलेट की सफाई से जुड़ी बड़े काम की ट्रिक्स।

बाथरूम में सबसे ज्यादा सफाई जिस चीज की करनी पड़ती है वह है टॉयलेट सीट की। ज्यादातर घरों में बाथरूम के अंदर ही टॉयलेट सीट होती है, जिसे हमेशा साफ रखना जरूरी होता है। यहां हम एक ऐसा हैक और ट्रिक बता रहे हैं जिसे आसानी से अपनाया जा सकता है। इस तरीके से हर काम आसान हो जाता है और सीट को साफ करने में कम मेहनत भी लगती है। दोनों तरीके ऐसे हैं जिन्हें अपनाकर आप झटपट टॉयलेट की सफाई कर सकते हैं।

जिद्दी दाग साफ करने के लिए विनेगरी

अक्सर टॉयलेट सीट दूर से देखने पर तो काफी साफ लगती है, लेकिन इसमें जिद्दी लाइमस्केल, पीले दाग या खुरदरी जगहें हो सकती हैं, जिनमें लगभग तुरंत ही गंदगी फिर से जमा हो जाती है। इसीलिए बाथरूम में सिरका का इस्तेमाल बेहतरीन माना जाता है। यह सस्ता है और आसानी से मिल जाता है। सिरका सामान्य गंदगी नहीं बल्कि कठोर पानी से जमा हुआ खनिज को साफ करने के लिए बेहतरीन है। टॉयलेट की सफाई करने के लिए तेज गंध वाले प्रोडक्ट पर निर्भर रहने के बजाय, आप सिरके का इस्तेमाल करके जमाव को नरम कर सकते हैं ताकि उन्हें ब्रश से आसानी से हटाया जा सके। अगर आप घंटों तक झुककर टॉयलेट को रगड़ना पसंद नहीं करते तो ये तरीका आपके खूब काम आएगा।

कैसे काम करता है विनेगर

टॉयलेट सीट पर पानी की जगह पर एक चॉक जैसा जमाव होता है। ये तब बनता है जब पानी सूख जाता है या लंबे समय तक बाउल में जमा रहता है। ऐसे में सिरका काम आता है। सिरका एसिडिक होता है और इससे मिनरल के जमाव को हटाना बहुत आसान होता है। अगर सिरका सीधे पानी में बह जाता है, तो उसके असरदार होने की संभावना बहुत कम होती है। इसलिए कपड़े वाला तरीका इस समस्या को हल कर सकता है। इसके लिए सिरके में भीगा हुआ कपड़ा सीधे दाग वाली जगह पर रखें। इससे सिरका फिसलकर हटने के बजाय वहीं टिका रहता है जहां आपको उसकी जरूरत होती है।

टॉयलेट की सफाई में काम आने वाली ट्रिक

टॉयलेट सीट साफ करने के लिए फ्लश टैंक में बहुत गर्म पानी के साथ सिट्रिक एसिड डालें और लगभग एक घंटे के लिए छोड़ दें। इसके लिए जोर–जोर से रगड़ने की जरूरत नहीं। इस ट्रिक से फर्क लगभग तुरंत ही दिख जाता है। जमी हुई गंदगी ढीली हो जाती है। दाग हल्के पड़ जाते हैं। यहां तक कि टैंक भी नया जैसा दिखने लगता है।

सिर्फ गोल्डन टेंपल नहीं, अमृतसर में देखने और करने को है बहुत कुछ

❍ अमृतसर सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि इतिहास, आस्था और स्वाद का अनोखा संगम है। अगर आप यहां घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो इन खास जगहों और यादगार अनुभवों को अपनी सूची में जरूर शामिल करें।

जब भी पंजाब की बात होती है, तो सबसे पहले अमृतसर का नाम जरूर लिया जाता है। यह शहर अपनी धार्मिक पहचान, समृद्ध इतिहास, स्वादिष्ट खाने और गर्मजोशी से स्वागत करने वाले लोगों के लिए जाना जाता है। यहां आने वाला हर यात्री कुछ ना कुछ खास लेकर लौटता है। कोई यहां की आध्यात्मिक शांति को याद रखता है, तो कोई यहां के स्वाद और संस्कृति को।

अमृतसर की गलियों में घूमते हुए आपको इतिहास के कई अहम पन्नों से रूबरू होने का मौका मिलता है। अगर आप पहली बार अमृतसर जा रहे हैं, तो सिर्फ प्रसिद्ध जगहों को देखना ही काफी नहीं है। यहां कुछ ऐसे अनुभव भी हैं, जो आपकी यात्रा को हमेशा के लिए यादगार बना सकते हैं।

स्वर्ण मंदिर की शांति को महसूस करें

अमृतसर की पहचान स्वर्ण मंदिर से है। दिन हो या रात, यहां का नजारा मन को सुकून देता है। सरोवर के किनारे बैठकर कुछ समय बिताना अपने आप में एक अलग अनुभव है। यहां मिलने वाला लंगर भी दुनिया भर में प्रसिद्ध है। हजारों लोग रोज एक साथ बैठकर भोजन करते हैं, जो समानता और सेवा का सुंदर उदाहरण है।

जलियांवाला बाग का इतिहास जानें

स्वर्ण मंदिर के पास स्थित जलियांवाला बाग भारत के इतिहास की एक महत्वपूर्ण जगह है। यहां पहुंचकर आप उन घटनाओं के बारे में जान सकते हैं, जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई को नई दिशा दी थी।

वाघा सीमा पर देशभक्ति का जोश देखें

अगर आप अमृतसर जा रहे हैं, तो वाघा सीमा की परेड जरूर देखें। शाम के समय होने वाला यह कार्यक्रम देशभक्ति के जोश से भर देता है। यहां का माहौल, लोगों का उत्साह और सैनिकों की परेड देखने लायक होती है।

पुराने बाजारों में खरीदारी करें

अमृतसर के बाजार रंग–बिरंगे कपड़ों, पंजाबी जूतियों, फुलकारी और कई खूबसूरत चीजों के लिए मशहूर हैं। यहां घूमते हुए आप स्थानीय संस्कृति को करीब से महसूस कर सकते हैं और अपने लिए यादगार चीजें खरीद सकते हैं।

अमृतसरी खाने का स्वाद जरूर लें

अमृतसर की यात्रा खाने के बिना अधूरी मानी जाती है। यहां के कुलचे, छोले, लस्सी और कई स्थानीय व्यंजन देशभर में मशहूर हैं। अगर आप खाने के शौकीन हैं, तो यहां का स्वाद लंबे समय तक याद रहेगा।

रात में शहर की रौनक देखें

दिन की तुलना में रात के समय अमृतसर का माहौल अलग ही नजर आता है। रोशनी से जगमग करती सड़कें और धार्मिक स्थलों का नजारा देखने लायक होता है। शाम को शहर की गलियों में घूमना एक सुखद अनुभव हो सकता है।

स्थानीय संस्कृति को करीब से जानें

अमृतसर सिर्फ घूमने की जगहों तक सीमित नहीं है। यहां के लोगों की मेहमाननवाजी, बोलचाल और जीवनशैली भी यात्रियों को खूब पसंद आती है। स्थानीय लोगों से बातचीत करके आप पंजाब की संस्कृति को और बेहतर तरीके से समझ सकते हैं।

जामुन का स्वाद तो सब जानते हैं, गुठली की ताकत बहुत कम लोग

❍ लोग जामुन स्वाद लेकर खाते हैं और फिर बिना सोचे-समझे इसकी गुठली कूड़ेदान में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस गुठली को आप बेकार समझकर फेंक रहे हैं, वही सेहत के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद मानी जाती है?

गर्मियों में बाजार जामुन से भर जाते हैं। लोग स्वाद लेकर इसे खाते हैं और फिर बिना सोचे–समझे इसकी गुठली कूड़ेदान में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस गुठली को आप बेकार समझकर फेंक रहे हैं, वही सेहत के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद मानी जाती है? लंबे समय से आयुर्वेद में जामुन की गुठली का चूर्ण कई तरह की परेशानियों में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

खासकर डायबिटीज को बैलेंस्ड रखने में इसकी चर्चा सबसे ज्यादा होती है। हालांकि, इसे हर कोई नहीं खा सकता। आइए जानते हैं जामुन की गुठली का चूर्ण आखिर इतना खास क्यों माना जाता है।

जामुन की गुठली का चूर्ण कैसे फायदेमंद है?

ब्लड शुगर कंट्रोल : जामुन की गुठली का चूर्ण सबसे ज्यादा ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने के लिए जाना जाता है। इसमें मौजूद कुछ प्राकृतिक तत्व शरीर में शुगर को तेजी से बढ़ने से रोकने में मदद करते हैं।

शरीर की अंदर से सफाई : अगर शरीर में गंदगी ज्यादा जमा होने लगे, तो कई छोटी–बड़ी परेशानियां शुरू हो सकती हैं। जामुन की गुठली का चूर्ण शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है जिससे शरीर हल्का और फ्रेश महसूस होता है।

लिवर हेल्थ : लिवर हमारे शरीर का बहुत जरूरी हिस्सा है। जामुन की गुठली में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट लिवर को स्वस्थ रखने और उसे बेहतर तरीके से काम करने में मदद करते हैं।

शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में मदद : इसमें एंटीऑक्सीडेंट अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। ये शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से बचाने में मदद करते हैं, जिससे लंबे समय तक स्वस्थ रहने में मदद मिलती है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल : कुछ शोध बताते हैं कि जामुन की गुठली का चूर्ण ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल रखने में मदद करता है। हालांकि, अगर आप पहले से ब्लड प्रेशर की दवा ले रहे हैं, तो इसे डॉक्टर की सलाह के बाद ही अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

जामुन की गुठली का चूर्ण कैसे खाएं?

सुबह खाली पेट आधा छोटा चम्मच चूर्ण गुनगुने पानी में मिलाकर पी सकते हैं।

अगर चाहें, तो इसे दही या छाछ में मिलाकर भी खा सकते हैं।

दिन में एक बार से ज्यादा इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

अगर आप मधुमेह की दवा लेते हैं, तो ब्लड शुगर की नियमित जांच करते रहें।

माइक्रोवेव में रातभर कटा नींबू रखकर देखा, सुबह खाने की बदबू नहीं आई

❍ माइक्रोवेव हर किचन में होता है और खाने गरम करने से लेकर कुछ चीजें बनाने तक इस्तेमाल भी होता है। लेकिन अक्सर माइक्रोवेव में खाने की खराब स्मेल रह जाती है। इसे दूर करने के लिए नींबू वाला हैक हमने ट्राई करके देखा। तो चलिए बताते हैं क्या रिजल्ट मिला?

माइक्रोवेव आजकल हर किचन में होता है और ये किचन के कई कामों में मदद करता है। खाना गरम करना हो या फिर कुछ रोस्ट करना हो, कई काम माइक्रोवेव में हो जाते हैं। हम सभी लोग रोजाना माइक्रोवेव का इस्तेमाल करते हैं और फिर उससे खाना निकालने के बाद उसे बंद कर देते हैं। खाने की महक माइक्रोवेव में भर जाती है और दोबारा उसे खोलने पर अजीब सी स्मेल आती है। ऐसे में थोड़ी देर ओवन को खुला भी छोड़ देते हैं लेकिन उसे साफ करने का ख्याल शायद की किसी के मन में आता हो या फिर महीने में एक बार उसकी सही तरीके से सफाई हो जाती होगी। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप रोजाना इसकी सफाई कर सकते हैं, जिससे खाने वाली बदबू दूर हो जाएगी तो? अब आप सोचेंगे कि रोज सफाई करने में समय लगेगा और इतनी मेहनत कौन करेगा? तो आपको मेहनत नहीं करनी पड़ेगी और आसानी से माइक्रोवेव से आने वाली खाने की गंदी महक को दूर कर सकते हैं। नींबू वाले हैक से आप माइक्रोवेव की बैड स्मेल को दूर कर सकते हैं

क्यों ट्राई किया

माइक्रोवेव में कभी हम चिकन गरम कर लेते हैं, तो कभी दाल या चावल। इसके अलावा माइक्रोवेव में पिज्जा भी बनाते हैं और रोस्टिंग का काम भी करते हैं। ऐसे में खाने की स्मेल उसके अंदर ही रह जाती है और खोलने पर गंदी बदबू आती है। ऐसे में बैक्टीरिया भी पनपने लगते हैं, जो सेहत के लिए खराब होंगे।

कुकर में 1 सीटी लगाकर बनाएं दूध वाला मीठा दलिया, इस रेसिपी के आगे फेल है खीर-रबड़ी!

❍ सुबह के नाश्ते में कुछ टेस्टी और हेल्दी खाने का मन हो तो ये दूध वाला दलिया एक परफेक्ट ऑप्शन हो सकता है। बेस्ट बात है कि ये फटाफट बन जाता है। बच्चे हों या बड़े ये डिश घर में हर किसी की फेवरिट होने वाली है।

सुबह के नाश्ते के लोग अक्सर ऐसी चीजें ढूंढते हैं, जो पौष्टिक भी हो और खाने में टेस्टी भी। दूध वाला मीठा दलिया एक ऐसा ही ऑप्शन है। बच्चों से ले कर बड़ों तक को ये खूब पसंद आता है। वहीं दूध, दलिया और ड्राई फ्रूट्स से तैयार होने वाली ये डिश कैल्शियम, फाइबर और कई पोषक तत्वों से भी भरपूर होती है। खासकर अगर आपको मीठा ज्यादा पसंद है और कम समय में कुछ टेस्टी बनाकर खाना चाहते हैं, तो दूध वाला दलिया बनाकर तैयार कर सकते हैं। अक्सर लोगों को लगता है कि दलिया पकाने में काफी टाइम लग जाता है, जबकि ऐसा नहीं है। प्रेशर कुकर में आप फटाफट से दूध वाला दलिया बनाकर तैयार कर सकते हैं, बहुत ही कम मेहनत में। इसका टेस्ट इतना क्रीमी और टेस्टी होता है कि आपको खीर की याद आ जाएगी। तो चलिए फटाफट से इसकी रेसिपी देख लेते हैं।

दूध वाला दलिया बनाने के लिए सामग्री

ब्रेकफास्ट के लिए मीठा दूध वाला दलिया बना रहे हैं, तो इन सामग्रियों की जरूरत होगी– देसी घी (1 चम्मच), गेहूं का दलिया (आधा कप), पानी (डेढ़ कप), दूध (ढाई कप), इलायची पाउडर (आधा चम्मच), चीनी (आधा कप या स्वादानुसार) और गार्निशिंग के लिए ड्राई फ्रूट्स (1 चम्मच)। इतनी सामग्री में आराम से 3 लोगों के लिए आप दलिया तैयार कर सकते हैं।

प्रेशर कुकर में फटाफट बनाएं दूध वाला मीठा दलिया

सुबह नाश्ते में फटाफट से कुछ बनाना है, तो दूध वाला मीठा दलिया तैयार कर सकते हैं।

संक्षिप्त

उलटफेर से बचा अर्जेंटीना, बोर्गस का आत्मघाती गोल केप वर्डे को पड़ा भारी

मियामी,एजेंसी। गत विजेता अर्जेंटीना की टीम राउंड ऑफ 32 में केप वर्डे के खिलाफ उलटफेर से बच गई। मियामी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना ने केप वर्डे को 3–2 से हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश कर लिया। दोनों टीमों के बीच बेहद ही रोमांचक मुकाबला खेला गया, लेकिन केप वर्डे को अतिरिक्त समय में डिने बोर्गस द्वारा किया गया आत्मघाती गोल भारी पड़ा। पूरे मैच में केप वर्डे की टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में जाकर टीम मौका गंवा बैठी। अर्जेंटीना का सामना अब अगले दौर में मिस्र से होगा। दिलचस्प बात तो यह रही कि केप वर्डे ने पूरे मैच के दौरान अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम को फंसा के रखा। आलम यह रहा कि मैच अतिरिक्त समय तक खिंचा तब जाकर मैच का नतीजा निकला। मेसी इस मैच में भी अर्जेंटीना के लिए दमदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे, लेकिन असली समां तो केप वर्डे ने बांधा। अपना पहला विश्व कप खेलने वाली केप वर्डे के अभियान का अंत भले ही राउंड ऑफ 32 में हुआ, लेकिन उसने जिस तरह से अर्जेंटीना पर दबाव बनाया उसकी जितनी तारीफ की जाए वो कम है। बोर्गस अगर आत्मघाती गोल नहीं करते तो मैच का नतीजा कुछ अलग भी निकल सकता था। जैसे ही अंतिम सीटी बजी और मैच अर्जेंटीना के पक्ष में गया, केप वर्डे के खिलाड़ी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके और कई खिलाड़ियों के आंखों से आंसू छलक पड़े। अर्जेंटीना को लियोनल मेसी ने पहले हाफ में ही बढ़त दिला दी। मेसी ने 29वें मिनट में गोल दागा जिससे अर्जेंटीना पहले हाफ तक 1–0 की बढ़त लेने में सफल रहा। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत में केप वर्डे के लिए डेरोय डुआर्टे ने 59 मिनट में बराबरी का गोल दागा और स्कोर 1–1 कर दिया। दोनों टीमों के बीच 90 मिनट का खेल पूरा होने तक स्कोर बराबरी ही रहा। इसके बाद अतिरिक्त समय में लिसांद्रो मार्टिनेज ने दूसरा गोल कर अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी। मार्टिनेज ने 92वें मिनट में गोल किया। मार्टिनेज के गोल करने के बाद लग रहा था कि अर्जेंटीना अब ये मुकाबला आसानी से अपने नाम कर लेगा, लेकिन 103वें मिनट में सिडनी लोप्स काब्रेल ने गोल दागकर अर्जेंटीना को चौंका दिया। काब्रेल के गोल से स्कोर 2–2 से बराबर हो गया। इसके बाद फिर अतिरिक्त समय लिया गया। अतिरिक्त समय में दोनों टीमों ने गोल करने के तमाम प्रयास किए। मेसी ने 111वें मिनट में कॉर्नर से गोल करने की कोशिश की, लेकिन केप वर्डे के डिने बोर्गस ने आत्मघाती गोल कर अर्जेंटीना को फायदा पहुंचा दिया। बोर्गस के इस आत्मघाती गोल से अर्जेंटीना एक बार फिर बढ़त लेने में सफल रहा। केप वर्डे ने इसके बाद 116 और 120वें मिनट में गोल करने के प्रयास किए, लेकिन सफल नहीं हो सके। हालांकि, केप वर्डे की टीम अर्जेंटीना पर दबाव बनाने में सफल रही।

कमजोर मानसून से बिगड़ सकता है आम आदमी का बजट, इस साल 6 फीसदी रहेगी खाद्य महंगाई

नई दिल्ली,एजेंसी। इस साल आम आदमी की थाली का बजट और बिगड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2026–27 में देश में औसत खाद्य महंगाई बढ़कर 6 फीसदी के आसपास रह सकती है, जबकि खुदरा महंगाई दर 5 फीसदी पर टिक सकती है। इस चिंता की बड़ी वजह मानसून की शुरुआत में हुई कम बारिश है, जिससे खेती–किसानी और फसलों के उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक से 30 जून के बीच देश में सामान्य से 40 फीसदी कम बारिश हुईघ्है।घ्इस भारी कमी ने सरकार और आम आदमी दोनों की चिंता बढ़ा दी है।घ्मई में पहले ही खाद्य तेल की महंगाई दर 9.5 फीसदी के उच्च स्तर पर थी।घ्ऐसे में कमजोर मानसून खाद्य पदार्थों की कीमतों को और भड़का सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि जुलाई में मानूसन की बारिश लंबी अवधि के औसत के 94 फीसदी से कम हो सकती है।घ्इससे कृषि उत्पादन एवं फसलों की पैदावार को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। भारत के कृषि क्षेत्र में सालाना होने वाली कुल बारिश का लगभग 70 फीसदी हिस्सा दक्षिण–पश्चिम मानसून से ही आता है। भारत में 1901 के बाद से इस बार जून पांचवां सबसे सूखा महीना दर्ज किया गया है, जहां बारिश सामान्य से 40 फीसदी कम रही। मौसम विभाग ने पहले जून में मानसून की बारिश लंबी अवधि के औसत के 92 फीसदी से कम रहने की भविष्यवाणी की थी। आईएमडी के अनुसार, देश के मध्य, पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों के बड़े इलाकों में औसत से कम बारिश होने का अनुमान है।

क्या दूसरे टी20 मैच से डेब्यू करने जा रहे हैं वैभव सूर्यवंशी? क्रिप्टिक पोस्ट से मिले संकेत

मैनचेस्टर,एजेंसी। आयरलैंड के खिलाफ दो मैच और इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में मौका नहीं मिलने के बाद क्या वैभव सूर्यवंशी को दूसरे टी20 मैच से डेब्यू का मौका मिलेगा? यह ऐसा सवाल है जिसका जवाब हर कोई जानना चाहता है। भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मैच मैनचेस्टर में खेला जाएगा। इस मैच से पहले वैभव ने सोशल मीडिया पर ऐसा क्रिप्टिक पोस्ट डाला जिससे संकेत मिले हैं कि वह इस मैच में खेलने उतर सकते हैं। भारतीय टीम ने इंग्लैंड दौरे की शुरुआत से पहले आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैचों की सीरीज खेली थी, जहां टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची। 15 वर्षीय विस्फोटक सलामी बल्लेबाज सूर्यवंशी को आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में भी उन्हें बेंच पर ही बैठना पड़ा, जो भारतीय बल्लेबाजी के बाद बारिश के कारण रद्द हो गया था। हालांकि, अब इस युवा खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर एक बड़ा इशारा किया है, जिससे लग रहा है कि आखिरकार टीम इंडिया की जर्सी पहनने का उनका समय आ गया है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच से ठीक पहले सूर्यवंशी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। उन्होंने इसके कैप्शन में

लिखा श्नया अध्यायश्। उनके इस पोस्ट को सीनियर भारतीय टीम में उनके डेब्यू का एक बड़ा संकेत माना जा रहा है। हालांकि, वह डेब्यू कर पाते हैं या नहीं, ये तो टॉस के दौरान ही पता चलेगा। लेकिन उनके इस पोस्ट से कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू का इंतजार कर रहे फैंस के लिए मोर्ने मोर्केल का बयान बड़ा संकेत लेकर आया है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से पहले उन्होंने संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा का खुलकर बचाव किया और चयन को लेकर टीम की सोच भी साफ कर दी। मोर्केल ने संकेत दिए हैं कि टीम प्रबंधन 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के टीम में शामिल होने के उत्साह के बावजूद सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा पर अपना भरोसा बनाए रखेगा। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले से पहले उन्होंने कहा कि अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का समर्थन करना जरूरी है। मोर्केल ने कहा कि अभिषेक शर्मा टी20 क्रिकेट में भारत के नंबर–1 बल्लेबाज रहे हैं, जबकि संजू सैमसन विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सैमसन का आईपीएल सीजन भी शानदार रहा था। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ के लिए खिलाड़ियों पर विश्वास बनाए रखना जरूरी है। उनके मुताबिक, वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ी का टीम के दरवाजे पर दस्तक देना उत्साहजनक है, लेकिन बाकी खिलाड़ियों को भी यह संदेश मिलना चाहिए कि टीम प्रबंधन उनका पूरा समर्थन करता है। मोर्केल ने स्पष्ट किया कि टीम प्रबंधन बल्लेबाजों की बल्लेबाजी क्रम में बार–बार बदलाव करने के पक्ष में नहीं है। उनका कहना था कि केवल किसी नए खिलाड़ी को खिलाने के लिए दूसरे खिलाड़ियों की भूमिका बदलना सही फैसला नहीं होगा।

आखिरी दिन प्रज्ञानंद ने मारी बाजीय लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर–1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया),एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आखिरी दिन लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन–डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की।

इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर–लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चौंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर भी 10–10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं। ब्लिट्ज सेक्शन में अभी 18 दौर के मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। फिलहाल, अनीश गिरी आठ अंकों पर हैं और वह डीक बोग्डन–डेनियल तथा नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से एक पूरा अंक आगे हैं। इसके विपरीत, इवान सारिक के खाते में केवल दो अंक हैं और वह अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद के लिए दिन की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे इवान सारिक के खिलाफ शुरुआती चालों के बाद ही भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में आ गए थे। कारो–कैन डिफेंस की वजह से प्रज्ञानंद को शुरुआत से ही सक्रिय स्थिति मिल गई थी। हालांकि इसे जीत में बदलने में लंबा समय लगा, लेकिन प्रज्ञानंद का खेल पर पूरा नियंत्रण बना रहा।

दूसरे मुकाबले में प्रज्ञानंद ने पेट्रोफ डिफेंस का सामना करते हुए डीक बोग्डन–डेनियल की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। खेल की 15वीं चाल तक ही परिणाम की तस्वीर साफ होने लगी थी। रोमानियाई खिलाड़ी ने जल्द ही अपना एक मोहरा गंवा दिया और वह मुकाबले में दोबारा वापसी नहीं कर सके। दिन के आखिरी मैच में प्रज्ञानंद ने आम तौर पर मजबूत माने जाने वाले अनीश गिरी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया।

उन्होंने कैटलन ओपनिंग के जरिए एक प्यादा जीता और फिर बेहतरीन टैक्टिकल सूझबूझ दिखाते हुए मैच को कुशलता से समाप्त किया। यह मुकाबला महज 34 चालों में ही खत्म हो गया। प्रज्ञानंद के विपरीत, सबसे कम उम्र के विश्व चौंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन थोड़ा अलग और मिलाजुला रहा। वह अपने तीनों मुकाबले ड्रॉ ही खेल सके, जिसके कारण वह शीर्ष रेस में थोड़े पीछे रह गए। अब्दुसत्तोरोव, कीमर और अलीरेजा इन तीनों ही खिलाड़ियों ने गुकेश के साथ अंक बांटे।

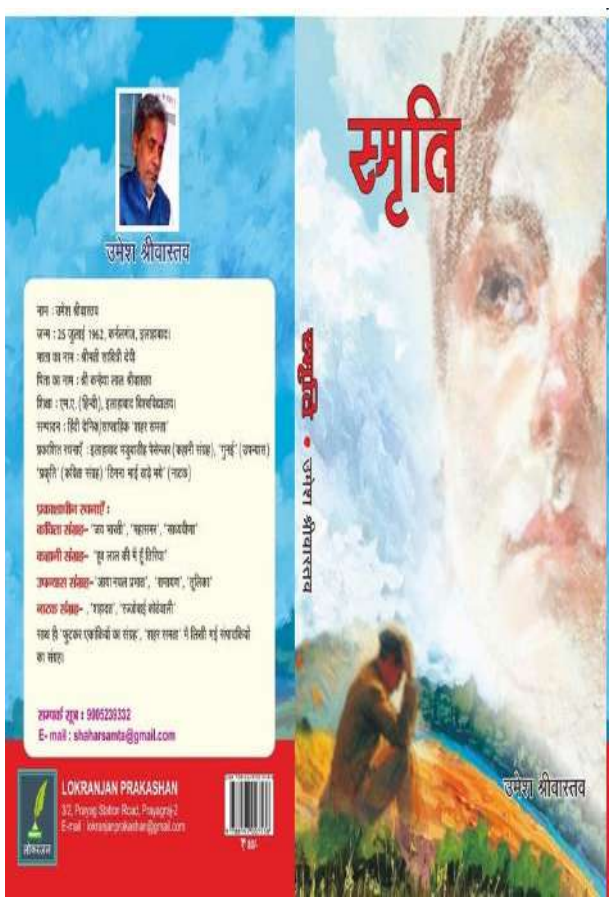

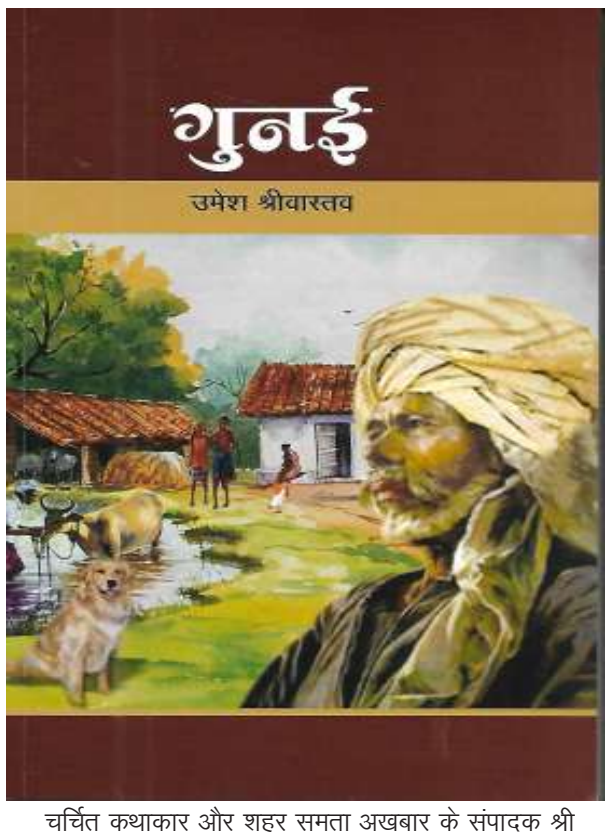

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

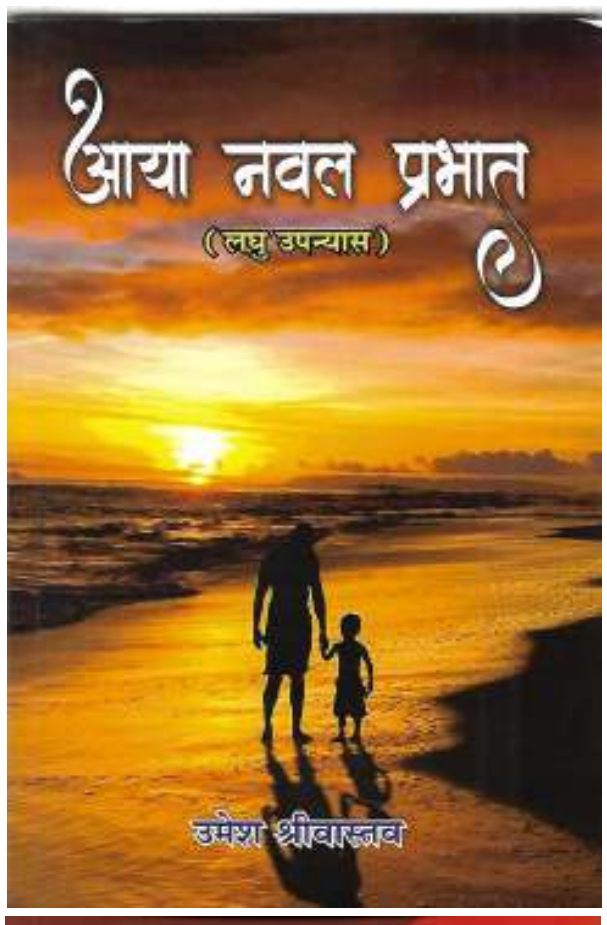

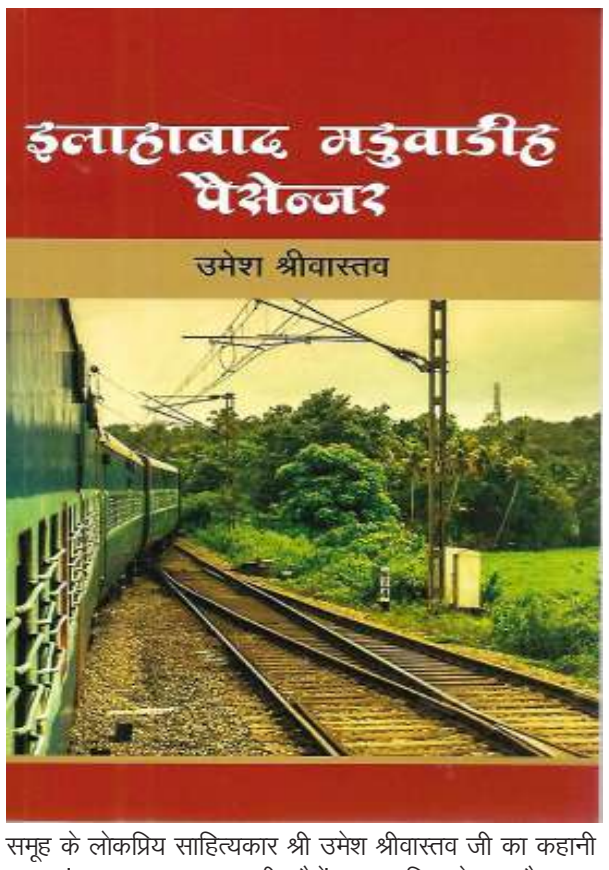

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

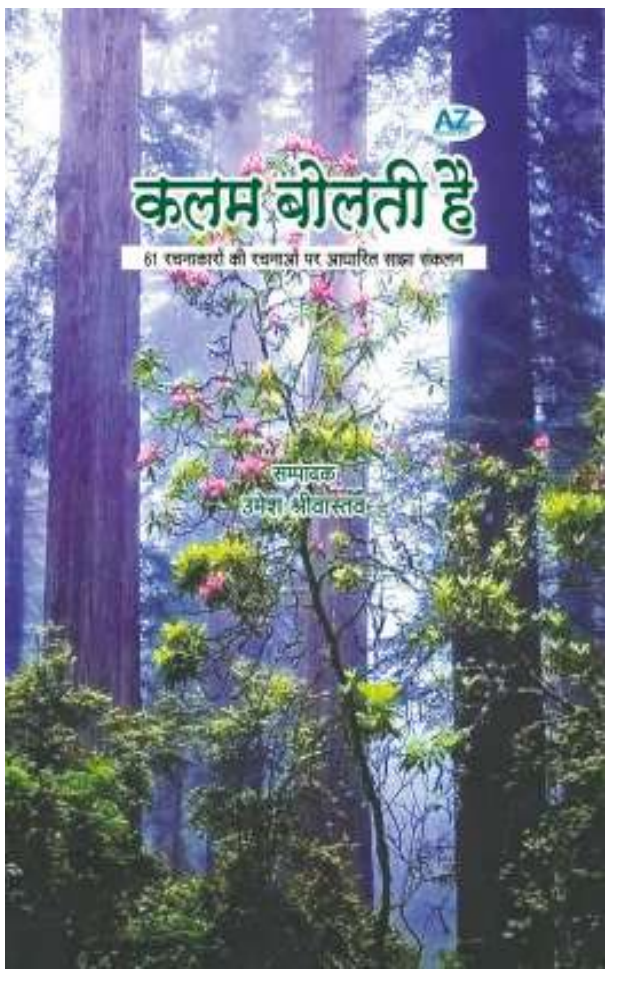

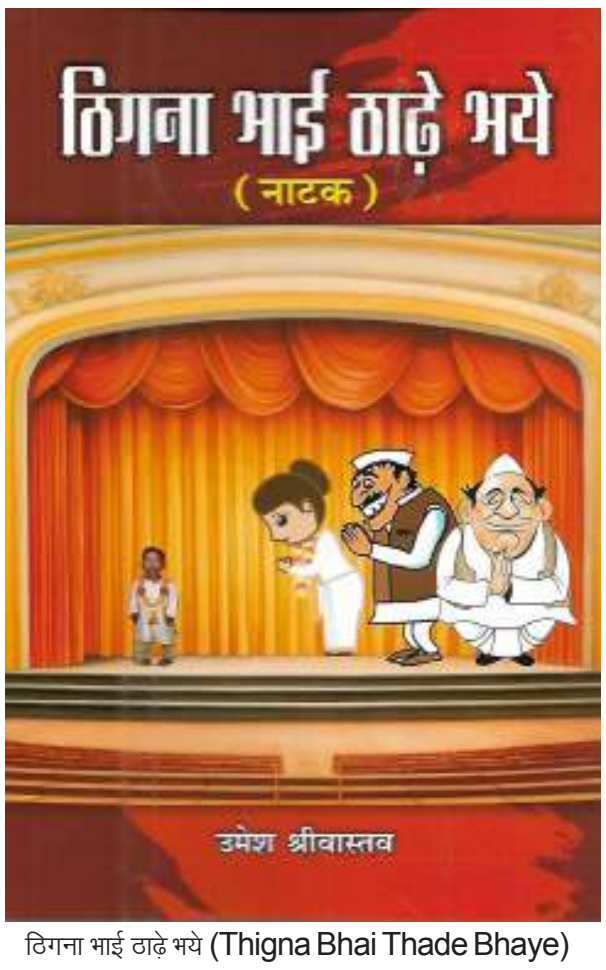

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

खामेनेई के अंतिम संस्कार के बीच ट्रंप– नेतन्याहू ने फोन पर की बात, जल्द होगी मुलाकात

वॉशिंगटन,एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की है। टाइम्स ऑफ इस्राइल ने इस्राइली पीएमओ के हवाले से यह जानकारी दी है। दोनों नेता फोन पर हुई इस बातचीत में निकट भविष्य में वॉशिंगटन में मिलने पर राजी हुए हैं। इस्राइली पीएमओ के बयान के अनुसार, नेतन्याहू ने अमेरिका की स्थापना की 250वीं वर्षगांठ पर ट्रंप को बधाई दी और कहा, अमेरिका ही वह देश है, जो दुनिया की आजादी सुनिश्चित करता है और इस्राइल, दोनों देशों के बीच के मजबूत संबंध की सराहना करता है। गौरतलब है कि दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत ऐसे समय हुई है, जब ईरान में सर्वोच्च ध ार्मिक नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को अंतिम विदाई देने की तैयारी की जा रही है। ट्रंप और नेतन्याहू की फोन पर बातचीत इसलिए भी अहम है क्योंकि हाल के हफ्तों में ट्रंप ने नेतन्याहू की सार्वजनिक रूप से आलोचना की है और दोनों नेताओं के बीच लेबनान में इस्राइली कार्रवाई को लेकर मतभेद उभरे थे। हालांकि अब इस बातचीत ने संकेत दिए हैं कि सबकुछ ठीक है। वहीं अमेरिका और ईरान के बीच वार्ताएं जारी हैं। 1 जुलाई को दोहा में अमेरिकी और ईरानी वार्ताकारों ने कतर और पाकिस्तान के साथ अलग–अलग बैठकें कीं। बैठकों के बाद आधिकारिक बयान में 14 सूत्री समझौता ज्ञापन से संबंधित मुद्दों पर सकारात्मक प्रगति दर्ज की गई। कतर ने कहा, दोनों पक्ष आगामी समय में बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए हैं।

अमेरिका के मिशिगन में मॉल के अंदर अंधाधुंध फायरिंग, दो लोगों की मौतय मामले की जांच शुरू

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य के डियरबॉर्न शहर में शुक्रवार को एक शॉपिंग मॉल में गोलीबारी की घटना हुई। पुलिस ने बताया कि युवाओं के दो गुटों के बीच हुई इस हिंसक झड़प में दो लोगों की जान चली गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। यह घटना फेयरलेन टाउन सेंटर मॉल में हुई। मॉल में जब गोलियां चलीं, तो वहां मौजूद लोगों के बीच अफरा–तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे। डियरबॉर्न पुलिस प्रमुख ईसा शाहीन ने जानकारी दी कि भागने की कोशिश में एक व्यक्ति मॉल के बाहर एक वाहन की टक्कर लगने से घायल हो गया। पुलिस ने झगड़े से जुड़े कुछ संदिग्धों से थाने में पूछताछ की है, लेकिन फिलहाल किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है। पुलिस प्रमुख ने स्पष्ट किया कि यह कोई अचानक या रैंडम हमला नहीं था। दोनों गुट एक–दूसरे को पहले से जानते थे। मॉल में आमना–सामना होने पर उनके बीच झगड़ा शुरू हुआ, जो देखते ही देखते गोलीबारी में बदल गया। उन्होंने बताया कि दोनों गुटों के सदस्यों के पास पिस्तौल थीं। इस गोलीबारी में एक पीड़ित की मौत मॉल के अंदर ही हो गई, जबकि दूसरे व्यक्ति ने पास के अस्पताल में दम तोड़ दिया। गोली लगने से घायल हुए तीसरे व्यक्ति की स्थिति के बारे में अभी जानकारी नहीं दी गई है। घटना के तुरंत बाद मॉल को खाली करा लिया गया। पुलिस ने जांच पूरी होने तक मॉल को बंद रखने का फैसला लिया है। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में लोग गोलियों की आवाज सुनकर मॉल से बाहर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। मिशिगन स्टेट पुलिस के विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट थायरन हॉवर्ड ने कहा कि उनकी एजेंसी जांच में स्थानीय पुलिस की मदद कर रही है। मॉल सुरक्षा विभाग ने इस मामले पर फिलहाल कुछ भी कहने से मना कर दिया है। डियरबॉर्न शहर डेट्रायट का एक उपनगर है। इसकी आबादी एक लाख से ज्यादा है और यह डेट्रायट से लगभग 15 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। फेयरलेन टाउन सेंटर एक बड़ा शॉपिंग केंद्र है, जिसमें 125 से ज्यादा दुकानें और रेस्टोरेंट मौजूद हैं। पुलिस अब मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि दोषियों को पकड़ा जा सके।

क्या आत्मघाती हमले में मारे गए पाक कोस्ट गार्ड के 30 से अधिक जवान?

बलूचिस्तान,एजेंसी। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने बलूचिस्तान के जिवानी क्षेत्र में पाकिस्तान कोस्ट गार्ड के एक शिविर पर बड़ा हमला किया है। बीएलए ने कहा कि हमले में बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मियों के मारे जाने और घायल हुए हैं। संगठन हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि इसे मजीद ब्रिगेड ने अंजाम दिया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

भीषण गर्मी के बावजूद भी नहीं रुकेगा जश्न, ट्रंप देंगे संबोधन, स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में क्या खास?

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका अपने 250वें स्वतंत्रता दिवस का ऐतिहासिक जश्न मना रहा है। हालांकि वॉशिंगटन और पूर्वी अमेरिका के कई हिस्सों में भीषण गर्मी को देखते हुए कार्यक्रमों के समय में बदलाव किया गया है। इसके बावजूद सैल्यूट टू अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का संबोधन, सैन्य प्रदर्शन और भव्य आतिशबाजी तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। वहीं, ट्रंप ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध यापर देशवासियों को संदेश देते हुए अमेरिका के इतिहास, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर भी जोर दिया। आयोजकों ने बताया कि वॉशिंगटन में सक्रिय हीट एडवाइजरी को देखते हुए सैल्यूट टू अमेरिका समारोह के कार्यक्रमों में बदलाव किया गया है। इसका मकसद लोगों को अत्यधिक गर्मी से बचाना है। ग्रेट अमेरिकन स्टेट फेयर और फीफा फैन जोन अब दोपहर 12 बजे से खुलेंगे और कार्यक्रम समाप्त होने तक खुले रहेंगे।

वॉशिंगटन मॉन्यूमेंट परिसर को भी पहले की तुलना में देर से खोला जाएगा ताकि लोगों को लंबे समय तक धूप में इंतजार न करना पड़े। आयोजकों ने साफ कहा कि समारोह जारी रहेगा, लेकिन लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने आधिकारिक घोषणा पत्र में राष्ट्रपति ट्रंप ने चार जुलाई 2026 को अमेरिकी स्वतंत्रता घोषणा की 250वीं वर्षगांठ घोषित किया। उन्होंने कहा कि 1776 में अपनाई गई स्वतंत्रता घोषणा आज भी अमेरिका की आजादी, समानता और अधिकारों की बुनियाद है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के संस्थापकों ने जो आदर्श स्थापित किए थे, वही आज भी देश का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने देशवासियों से इस ऐतिहासिक अवसर को पूरे सम्मान और गरिमा के साथ मनाने की अपील की। ट्रंप ने अपने संदेश में अमेरिकी क्रांति के कई महत्वपूर्ण पड़ावों का उल्लेख किया। उन्होंने लेक्सिंगटन और कॉनकॉर्ड की लड़ाई, बंकर हिल, डेलावेयर नदी पार करने, वैली फोर्ज के संघर्ष और यॉर्कटाउन की जीत को अमेरिकी स्वतंत्रता की मजबूत नींव बताया। इसके साथ ही उन्होंने गृहयुद्ध के दौरान संघ को बचाने, गुलामी की समाप्ति, औद्योगिक विकास, दोनों विश्व युद्धों में जीत, चंद्रमा पर मानव की लैंडिंग और विज्ञान व तकनीक में हुई प्रगति को अमेरिका की बड़ी उपलब्धियां बताया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपनी संप्रभुता को और मजबूत करेगा, अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करेगा और देश की ऐतिहासिक विरासत को सुरक्षित रखेगा। उन्होंने कृ त्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम अनुसंध ान, ऊर्जा विकास और अंतरिक्ष अभियानों को भविष्य की प्राथमिकताओं में शामिल बताया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका फिर से चंद्रमा पर अपने नागरिकों को भेजेगा और आगे चलकर मंगल ग्रह पर भी अपना झंडा फहराने की दिशा में काम करेगा। अमेरिका चार जुलाई 1776 को अपनाई गई स्वतंत्रता घोषणा के 250 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। इसी अवसर पर पूरे देश में ष्अमेरिका 250ष पहल के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संघीय एजेंसियां, राज्य सरकारें, स्थानीय प्रशासन और सांस्कृतिक संस्थान पूरे वर्ष समारोह, प्रदर्शनियां और शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करेंगे। वॉशिंगटन में आयोजित मुख्य समारोह इस वर्ष के सबसे बड़े राष्ट्रीय आयोजनों में शामिल है, जहां इतिहास, सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्रीय एकता का प्रदर्शन एक साथ देखने को मिलेगा।

क्या नेतन्याहू के निशाने पर थे ईरानी वार्ताकार? न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट पर आ गया इस्राइल का बयान

तेल अवीव,एजेंसी। ईरानी वार्ताकारों को निशाना बनाए जाने की आशंका वाली रिपोर्ट पर इस्राइल प्रतिक्रिया आई है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सभी दावों पर अपना पक्ष साफ कर दिया। आइए, विस्तार से जानते हैं कि न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में आखिर क्या कहा गया था, अमेरिका को किस बात की चिंता थी, इस्राइल ने इसे झूठ क्यों बताया और इस पूरे विवाद का ईरान–अमेरिका वार्ता पर क्या असर पड़ सकता है? इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने उस मीडिया रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि अमेरिका को आशंका थी कि इस्राइल ईरान के वरिष्ठ वार्ताकारों को निशाना बना सकता है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस रिपोर्ट को फेक न्यूज और हकीकत से पूरी तरह अलग बताते हुए कहा कि इसमें किए गए दावे वास्तविकता पर आध ारित नहीं हैं। इस बयान के बाद एक बार फिर मध्य पूर्व की कूटनीतिक हलचल और इस्राइल–ईरान संबंध चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। मामला उस रिपोर्ट से जुड़ा है, जिसमें दावा किया गया कि इस साल इस्लामाबाद वार्ता के दौरान अमेरिकी अधिकारियों को यह आशंका थी कि इस्राइल ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और ईरानी संसद के अध्यक्ष

मोहम्मद बाघेर गालिबाफ को निशाना बना सकता है। रिपोर्ट के अनुसार कुछ मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों का मानना था कि 8 अप्रैल के युद्धविराम के बाद के हफ्तों में इस्राइल ऐसी योजना पर विचार कर सकता था। इसी आशंका के चलते अमेरिका ने कथित तौर पर क्षेत्र के कुछ देशों के माध्यम से तेहरान तक अप्रत्यक्ष संदेश पहुंचाया, ताकि ईरानी नेतृत्व को संभावित खतरे से आगाह किया जा सके। हालांकि रिपोर्ट में इन दावों को अधि ाकारियों के हवाले से पेश किया गया था।

इन दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्पष्ट शब्दों में कहा कि ईरानी वार्ताकारों को लेकर प्रकाशित रिपोर्ट पूरी तरह झूठी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने लिखा, हमेशा की तरह ईरानी वार्ताकारों को लेकर प्रकाशित ताजा खबर फेक न्यूज है। यह वास्तविकता की पूरी तरह मनगढ़ंत कहानी है। इस बयान के जरिए इस्राइल ने उन सभी आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें ईरानी नेताओं को निशाना बनाने की किसी कथित योजना का जिक्र किया गया था। प्रध ानमंत्री कार्यालय ने यह भी संकेत दिया कि रिपोर्ट में प्रकाशित जानकारी का वास्तविक घटनाओं से कोई संबंध ा नहीं है। इसी बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के बीच शुक्रवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई। बातचीत के दौरान नेतन्याहू ने अमेरिका की स्थापना के 250 वर्ष पूरे होने पर ट्रंप को बधाई दी और कहा कि दुनिया की आजादी को बनाए रखने में अमेरिका की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं ने निकट भविष्य में अमेरिका में मुलाकात करने पर सहमति जताई। हालांकि बैठक कब और कहां होगी, इसकी कोई जानकारी साझा नहीं की गई। ऐसे समय में दोनों नेताओं की संभावित मुलाकात को क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक मुद्दों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रध ानमंत्री कार्यालय के बयान के साथ ही यह भी सामने आया कि 1 जुलाई को कतर और पाकिस्तान में अमेरिका तथा ईरान के प्रतिनिधियों के बीच अलग–अलग दौर की बातचीत हुई थी। इन बैठकों में 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक प्रगति होने की जानकारी दी गई। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्ष बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए हैं और पूर्व ईरानी सर्वोच्च नेता के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगली बैठक जल्द तय की जाएगी। ऐसे समय में जब अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं, उसी दौरान आई इस रिपोर्ट और उस पर इस्राइल की कड़ी प्रतिक्रिया ने पूरे घटनाक्रम को और अधिक चर्चा में ला दिया है।

खामेनेई की अंतिम यात्रा में भावुक हुआ ईरान, 14 महीने की पोती का छोटा ताबूत भी साथ दिखा

तेहरान,एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम यात्रा की रस्में शनिवार को तेहरान में आधिकारिक तौर पर शुरू हुईं। इसमें हजारों ईरानी अपने 86 वर्षीय नेता को श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे। जिनकी 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका–इस्राइल के हमलों में मौत हो गई थी। खामेनेई के ताबूत को इस्लामी गणराज्य के झंडे में लपेटकर और उसके ऊपर उनकी काली पगड़ी रखकर परिसर में लाया गया। उनके मृत रिश्तेदारों के शव भी उनके बगल में रखे गए। जिनमें उनकी 14 महीने की पोती का छोटा ताबूत भी शामिल था। खामेनेई का पार्थिव

छोटे ताबूत ने लोगों की आंखें को किया नम

शरीर शुक्रवार को तेहरान पहुंचा, जहां ईरान और इराक के कई शहरों में छह दिनों तक सार्वजनिक अंतिम यात्रा समारोह आयोजित किए जाएंगे। उनके पार्थिव शरीर को ईरान और पड़ोसी देश इराक के शहरों से होकर ले जाया जाएगा। इस्लामी गणराज्य के सैकड़ों समर्थक शुक्रवार शाम को ही तेहरान के ग्रैंड मोसाला के बाहर जमा हो गए थे, जिसे आज जनता के लिए खोला जाना है। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले तीन दिनों में अकेले तेहरान में 15 से 20 मिलियन लोग शामिल होंगे। आज जैसे ही द्वार खुले, हजारों शोक संतप्त लोग कार्यक्रम स्थल में प्रवेश कर गए। यहां विशाल परिसर का मुख्य प्रांगण लोगों से भर गया। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, शोक संतप्त लोगों ने लाल बैनर ले रखे थे, जो प्रतिशोध के आह्वान का प्रतीक है। इसके साथ ही वे अमेरिका मुर्दाबाद और प्रतिशोध, प्रतिशोध के नारे लगा रहे थे। 27 वर्षीय एक शोक संतप्त व्यक्ति ने समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि मैं अपने प्रिय नेता अली खामेनेई को अंतिम विदाई देने आया हूं। मैंने कभी ऐसे दिन की उम्मीद नहीं की थी। काश, इस त्रासदी से पहले ही मेरी मृत्यु हो गई होती। ईरान के शीर्ष अधिकारियों ने शुक्रवार को अपना दुख व्यक्त किया, जिसमें संसद अध्यक्ष और अमेरिका के साथ वार्ता में शीर्ष वार्ताकार मोहम्मद बाकेर गालिबाफ स्पष्ट रूप से भावुक होकर रोते हुए दिखाई दिए। श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले शीर्ष ईरानी अधिकारियों में अहमद वाहिदी भी शामिल थे, जिन्हें उनके पूर्ववर्ती की उसी हमले में हत्या के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का प्रमुख नामित किया गया था, जिसमें खामेनेई की भी हत्या हुई थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

यूएन मुख्यालय के सामने किया आत्मदाह, चीन से आजादी की अपील कर लगाया मौत को गले

न्यूयॉर्क,एजेंसी। अमेरिकी शहर न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने तिब्बती झंडा लिए एक व्यक्ति ने खुद को आग लगाकर मौत को गले लगाया। अधिकारियों ने इस 52 वर्षीय व्यक्ति की मौत की पुष्टि की है। तिब्बती कार्यकर्ता और तिब्बत से बाहर रह रहे तिब्बतियों के एक मीडिया आउटलेट ने उसकी पहचान एक तिब्बती के तौर पर की है, जिसने आजादी की अपील करते हुए खुद को आग लगा ली। पुलिस ने अभी व्यक्ति का नाम नहीं बताया, क्योंकि परिजनों को इसकी सूचना नहीं दी गई है, लेकिन तिब्बत से बाहर रह रहे तिब्बतियों के मीडिया आउटलेट (वॉयस ऑफ तिब्बत) ने कहा कि तिब्बती कार्यकर्ता लोग्बा रंगजेन ने न्यूयॉर्क में यूएन मुख्यालय हेडक्वार्टर के बाहर तिब्बत की आजादी और एकता के लिए लाइव अपील करने के बाद खुद को आग लगाई। पुलिस ने कहा, सूचना मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो बुरी तरह जले व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया जहां बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। स्थानीय न्यूज साइट एएमन्यूयॉर्क की रिपोर्ट के मुताबिक, वह एक उबर चालक था और तिब्बती ध्वज लेकर घटनास्थल पर पहुंचा था। वेबसाइट ने उबर ड्राइवर लोबसांग पालजोर के हवाले से कहा कि वह रंगजेन को तिब्बती समुदाय की बैठकों में जानता था। पालजोर ने न्यूज वेबसाइट को बताया कि रंगजेन चीनी सरकार द्वारा अपने देशवासियों पर लगाई गई पाबंदियों से बहुत नाराज था। अमेरिका और यूरोपीय संघ ने चीन के नए एथनिक यूनिटी कानून (जातीय एकता कानून) पर चिंता जताई है। यह कानून इस सप्ताह लागू हुआ है और बीजिंग को अपनी सीमाओं के बाहर के लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का कानूनी आधार देता है। यह कानून देश के 55 जातीय अल्पसंख्यक समूहों (जिनमें तिब्बती और

उइगर शामिल हैं) के बीच एक साझा राष्ट्रीय पहचान बनाता है। इनमें से कुछ समूह चीनी शासन से नाखुश हैं। दुनिया भर के तिब्बतियों ने इसका विरोध किया है। तिब्बतियों की पहचान नष्ट कर रहा चीन–चीन का कहना है कि तिब्बत 13वीं सदी के मध य से उसके क्षेत्र का हिस्सा रहा है और 1951 से उसकी कम्युनिस्ट पार्टी यहां शासन कर रही है। तिब्बतियों का कहना है कि वे पहले से आजाद रहे हैं और चीन यहां के संसाधनों का फायदा उठा रही है। वह तिब्बती सांस्कृतिक पहचान भी खत्म करना चाहती है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह और निर्वासित लोग तिब्बती इलाकों में चीन के दमनकारी शासन की अक्सर निंदा करते रहे हैं। चीन ऐसी बातों को नकारता है। चीन में जातीय अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दे बहुत संवेदनशील हैं। तिब्बतियों और अन्य अल्पसंख्यकों पर कथित अलगाववाद के किसी भी संकेत के लिए कड़ी नजर रखी जाती है। 2012 में शी जिनपिंग के राष्ट्रपति बनने के बाद से बीजिंग ने तिब्बत पर अपना संस्थागत नियंत्रण और बढ़ा दिया है।

मैं अपने बारे में लिखी रोचक खबर पढ़ता हूं, ट्रंप ने बताया कैसे बिताते हैं व्हाइट हाउस में समय?

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की द्वितीय महिला उषा वैंस के पॉडकास्ट में शामिल हुए। यहां वे अपने शरीर और व्हाइट हाउस में अपना समय कैसे बिता रहे है। इसके बारे में बताया। ट्रंप ने वैंस के 'स्टोरीटाइम विद द सेकंड लेडी' पॉडकास्ट में भाग लिय। जिसे शुक्रवार को ऑनलाइन पोस्ट किया गया था। इस दौरान राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस हिस्टोरिकल एसोसिएशन की बच्चों की किताब 'प्रेसिडेंट्स प्ले!' पढ़ी, जिसमें राष्ट्रपतियों को खेल का आनंद लेते हुए और व्हाइट हाउस और उसके मैदानों का मनोरंजन के लिए उपयोग करते हुए दर्शाया गया है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।